इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति "।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 202 | राजनांदगांव, बुधवार 10 जून 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

कैबिनेट की बैठक: धान की जगह दूसरी फसल पर 15,000 प्रति एकड़ मिलेंगे: छत्तीसगढ़ बिजली कंपनी का आयेगा आईपीओ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज महानदी भवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। अब छत्तीसगढ़ की बिजली कंपनी में आम लोग भी पैसे लगा सकेंगे। उन्हें शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। किसान को धान की जगह दूसरी फसल लगाने पर 15 हजार रुपए प्रति एकड़ मिलेंगे।

रायपुर समेत 4 शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को मंजूरी दी गई है। योग अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिन होगा। इसके अलावा आज मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की शुरुआत की गई है। इसके जरिए प्रदेश के लोग फोन, वेबसाइट, मोबाइल ऐप या लिखित आवेदन देकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। सरकार का दावा है कि सीएम हेल्पलाइन के जरिए लोगों को शिकायतों के समाधान के लिए बेहतर, पारदर्शी और तुरंत सेवाएं मिल सकेगी।

पावर ट्रांसमिशन कंपनी का आयेगा आईपीओ

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड करने की सैद्धांतिक सहमति दी है। इससे आम लोग और निवेशक कंपनी के शेयर खरीद सकेंगे। साथ ही कंपनी की वित्तीय क्षमता और पारदर्शिता को मजबूती मिलेगी।

आम लोग और निवेशक कंपनी के शेयर खरीद सकेंगे, सीएम हेल्पलाइन 1076 की शुरुआत

किसानों को मिलेगी 15 हजार प्रति एकड़ सहायता

खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप को मंजूरी दी गई है। धान की जगह दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलें लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। योजना का लाभ एकीकृत किसान पोर्टल, एग्रीस्टेक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर मिलेगा।

पीडीएस में चना वितरण जारी रहेगा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के पात्र हितग्राहियों को फाइनेंशियल ईयर 2026-27 में भी चना उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को NeML ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से चना खरीदी की अनुमति दी गई है। अप्रैल से जून 2026 तक की वर्तमान व्यवस्था को भी 3 महीने तक आगे बढ़ाया गया है।

योग अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन

कैबिनेट ने योग विषय को समाज कल्याण विभाग से हटाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन करने का फैसला लिया है। सरकार का मानना है कि योग आयुष प्रणाली का अभिन्न हिस्सा है, इसलिए इससे प्रशिक्षण, शिक्षा और रिसर्च का बेहतर संचालन हो सकेगा।

रायपुर समेत 4 शहरों में चलेंगी 240 ई-बसें

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म में डायरेक्ट डेबिट मैंडेट की सहमति केंद्र सरकार को भेजने की अनुमति दी गई है। इससे रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो सकेगा। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका: मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। रिटर्निंग ऑफिसर ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त कर दिया है। भाजपा द्वारा लगाई गई आपत्ति में आरोप था कि, मीनाक्षी नटराजन के शपथ पत्र में तेलंगाना की एक अदालत में लंबित मामले की जानकारी छिपाई गई है। इस फैसले के बाद कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पूरे मामले को लेकर विधानसभा परिसर में दिनभर तनावपूर्ण माहौल और तीखी बहस भी देखने को मिली।

बीजेपी की आपत्ति पर आया फैसला

रनवे से वापस बुलाया गया विमान

बताया जा रहा है कि, मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होते ही कांग्रेस विधायकों को लेकर बेंगलुरु जा रहे विमान को रनवे से वापस बुला लिया गया है। पार्टी फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील कर सकती है।

बीजेपी नेताओं ने मनाया जश्न

कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के बाद जश्न मनाते हुए बीजेपी नेताओं की तस्वीरें भी सामने आई हैं। भाजपा की ओर से दलील दी गई थी कि, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक उम्मीदवार को दर्ज मामलों की जानकारी देना अनिवार्य है। बीजेपी ने केस छिपाने के चलते नामांकन रद्द करने की मांग की थी।

जान-बूझकर बात छिपाई

कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन पर बीजेपी नेता राकेश सिंह ने कहा, उन्होंने जान-बूझकर यह बात छिपाई। फॉर्म अधूरा था और उन्होंने गलत जानकारी दी थी। इन सभी आधारों पर उन्हें अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया गया और दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश (शेष पृष्ठ 6 पर...)

फ्रांस और स्लोवाकिया के दौरे पर जाएंगे पीएम मोदी; जी-7 शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून 2026 में फ्रांस और स्लोवाकिया की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह दौरा कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अपनी इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी द्विपक्षीय वार्ताओं के साथ-साथ दुनिया के प्रमुख वैश्विक मंचों, जैसे जी 7 शिखर सम्मेलन और विवाटेक समिट में भी शिरकत करेंगे।

फ्रांस में भारत इनोवेट्स का उद्घाटन

यात्रा के पहले चरण में पीएम मोदी 13 और 14 जून को फ्रांस (नीस) में रहेंगे। यहाँ राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें भारत-फ्रांस की स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप को और मजबूत करने पर चर्चा होगी। साथ ही, दोनों नेता भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का संयुक्त रूप से उद्घाटन करेंगे, जो स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल के क्षेत्र में भारत और फ्रांस के बीच नवाचार साझेदारी को नई दिशा देगा।

स्लोवाकिया की पहली ऐतिहासिक यात्रा

यात्रा के दूसरे चरण में पीएम मोदी 14 से 16 जून तक स्लोवाकिया के दौरे पर रहेंगे। यह 1993 में स्लोवाकिया के स्वतंत्र होने के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री वहां के पीएम रॉबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान व्यापार, निवेश, ऑटोमोबाइल और रेलवे विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। यात्रा के तीसरे पड़ाव में, 16 और 17 जून को पीएम मोदी फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन के दौरान वे (शेष पृष्ठ 6 पर...)

टीएमसी की बढ़ीं मुश्किलें: फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच के लिए पार्टी मुख्यालय में घुसी सीआईडी की टीम, तलाशी ली

कोलकाता। जाली हस्ताक्षर मामले की जांच के तहत अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की एक टीम मंगलवार को कोलकाता के कालीघाट इलाके में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के केंद्रीय कार्यालय में घुसी। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों और पार्टी के एक नेता के बीच थोड़ी देर बहस हुई, जिसके बाद जांच टीम ने अंदर प्रवेश किया।

सूत्रों ने बताया कि राज्य की जांच एजेंसी के अधिकारी, कालीघाट थाने की पुलिस और बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों के साथ देर दोपहर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे। सीआईडी की यह कार्रवाई उस जांच का हिस्सा है, जो टीएमसी विधायकों के कथित फर्जी हस्ताक्षरों से जुड़े विवाद पर चल रही है। यह मामला विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए एक प्रस्ताव से जुड़ा है, जिसमें नेता प्रतिपक्ष को मान्यता देने की मांग की गई थी।

ममता के साथ नई दिल्ली में हैं अभिषेक बनर्जी

अभिषेक बनर्जी इस समय ममता बनर्जी के साथ नई दिल्ली में हैं। सीआईडी ने उनको मंगलवार शाम पांच बजे तक पेश होने के लिए समन भेजा है। शुरुआत में सुरक्षा कर्मियों ने जांच टीम को परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे थोड़ी देर के लिए तनातनी की स्थिति बन गई। टीएमसी नेता और पूर्व सांसद सुभाशीष चक्रवर्ती ने पहले कहा था कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में पार्टी ने तलाशी की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा था कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में सीआईडी को अंदर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन बाद में स्थिति बदल गई और सीआईडी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जयपुर की अवैध पटाखा गोदाम में धमाके के साथ लगी आग, 7 लोगों की मौत; कई घायल

जयपुर। जयपुर के खो-नागोरियन इलाके में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने का मामला सामने आया है। इस घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अस्पताल के कंट्रोलर डॉ. दीपक माहेश्वरी ने दी। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह जयपुर के खोह नागोरियन इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से चल रहे पटाखों के गोदाम में धमाके के बाद आग लग गई थी। अधिकारियों ने बताया कि आग खोह नागोरियन की आयशा नगर तलाई कॉलोनी के एक छोटे से घर में लगी, जहां कथित तौर पर पटाखे रखे गए थे।

सीएम ने हादसे पर जताया शोक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। एक्स पर एक पोस्ट में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में हुई दुर्घटना में जनहानि का समाचार दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटने, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें तथा सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। जयपुर के कलेक्टर संदेश नायक ने कहा कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नाकामियों को छिपाने के लिए मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहा पाकिस्तान, पीओके में बर्बरता पर भारत की दो टूक

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इस मामले में पाकिस्तान की तरफ से फेक न्यूज और वीडियो फैलाने का सिलसिला देख रहे हैं। यह पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की एक हताश कोशिश है। रणधीर जायसवाल ने कहा कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस की बर्बरता की खबरें आ रही हैं, जिसमें कई लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अंतराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके गलत कामों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

पीओके में पाकिस्तानी सेना की बर्बरता

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और लगभग 200 लोग घायल हुए हैं। यह झड़प तब हुई जब अधिकारियों ने ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगा दिया। जैक एक प्रमुख नागरिक समाज संगठन है जिसने इस इलाके में आर्थिक और राजनीतिक शिकायतों को लेकर विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया है।

पीओके में क्यों मचा बवाल?

पुलिस ने बताया कि जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी के प्रदर्शनकारी एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर जमा हुए थे। वहां उस ग्रुप के एक सदस्य का शव लाया गया था, जिसकी मौत पुलिस की गोलीबारी में हुई थी। पुलिस के अनुसार, जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने की कोशिश की तो समूह के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला करने के लिए ऑटोमैटिक राइफल, पेट्रोल बम और अन्य हथियारों का इस्तेमाल किया।

रंगदारी मामले में गिरफ्तार टीएमसी नेता जहांगीर खान की मुश्किलें बढ़ी, कोर्ट ने 5 दिनों के लिए पुलिस कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता जहांगीर खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रंगदारी के मामलों में नाम आने के बाद गिरफ्तार किए गए जहांगीर खान को कोर्ट ने 5 दिनों के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस ने अदालत से पूछताछ और जांच को आगे बढ़ाने के लिए रिमांड की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। अब पुलिस हिरासत में उनसे इस पूरे मामले को लेकर विस्तृत पूछताछ की जाएगी। जहांगीर खान को सोमवार को उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें रिमांड पर भेजा गया है। हालांकि, पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी से जुड़ी अन्य गोपनीय जानकारियों का खुलासा नहीं किया है। जहांगीर खान पर दक्षिण 24 परगना जिले के फलता पुलिस स्टेशन में कुल सात एफआईआर दर्ज हैं। इससे पहले 26 मई को कलकत्ता हाईकोर्ट ने उन्हें मिली अंतरिम सुरक्षा को रद्द कर दिया था, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया था। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सीएम योगी बोले- राम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं, भारत एक देश है धर्मशाला न समझें

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती।

प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे।

राम नाम में हर समस्या का समाधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मानसून ने 16 राज्य कवर किए, कल मुंबई पहुंचेगा: यूपी के उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। मानसून 6 दिन में 16 राज्यों तक पहुंच गया है। मंगलवार को मानसून ने पश्चिम बंगाल में एंट्री की। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60kmph रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए।

केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6°C दर्ज किया गया।

छत्तीसगढ़ में मानसून की दस्तक तय! अगले 2-3 दिनों में एंट्री के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में राज्य के और हिस्सों में प्रवेश कर सकता है। इसके लिए अनुकूल परिस्थितियां बन चुकी हैं और मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रदेश में मानसून की गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 11 जून से बारिश की गतिविधियों में और तेजी आने की उम्मीद है, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज हो सकती है और लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। सोमवार शाम प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम ने अचानक करवट ली। राजधानी रायपुर और दुर्ग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तेज बारिश दर्ज की गई।

वॉर को तैयार भारत के 12 परमाणु हथियार! शांतिकाल में पहली बार हुई इतनी बड़ी तैनाती

नई दिल्ली। स्वीडन के थिंक टैंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 12 परमाणु हथियार तैनात किए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, शांतिकाल में इतने बड़े पैमाने पर परमाणु हथियारों की तैनाती पहली बार दर्ज की गई है. वहीं, चीन ने भी अपने परमाणु हथियारों की तैनाती की संख्या 2025 के 24 से बढ़ाकर 2026 में 34 कर दी है.

SIPRI ने सोमवार को अपनी SIPRI Yearbook 2026 जारी करते हुए कहा कि दुनिया के देश अब राष्ट्रीय शक्ति के साधन के रूप में परमाणु हथियारों पर पहले से अधिक निर्भर होते जा रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 4,012 परमाणु वॉरहेड ऐसे हैं जो मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात स्थिति में हैं.

दुनिया के किन 9 देशों के पास हैं परमाणु बम?

रिपोर्ट में नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों का उल्लेख किया गया है. ये हैं: अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजरायल. वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2,100 से 2,200 तैनात वॉरहेड बैलिस्टिक मिसाइलों पर हाई ऑपरेशनल अलर्ट की स्थिति में रखे गए हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से लगभग सभी वॉरहेड रूस और अमेरिका के हैं, जबकि कुछ संख्या फ्रांस और ब्रिटेन की है. हालांकि, SIPRI का आकलन है कि चीन और भारत भी अब शांतिकाल के दौरान कभी-कभी मिसाइलों पर कम संख्या में परमाणु वॉरहेड तैनात कर सकते हैं. जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत के पास 12 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं. चीन के पास 34 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं, जो 2025 के 24 से 10 ज्यादा हैं. तैनात परमाणु वॉरहेड की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है. अमेरिका के पास 1,770, रूस के पास 1,796, फ्रांस के पास 280 और ब्रिटेन के पास 120 तैनात परमाणु वॉरहेड हैं.

पहला कॉलम...

वित्तीय अनियमितता पाये जाने पर तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य दौलत राम आंचले निलंबित

राजनांदगांव (दावा)। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास कुमार सिंह बघेल ने डोंगरगांव विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मोहड़ के तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य (मूल पद व्याख्याता) दौलत राम आंचले को विभागीय अंकेक्षण रिपोर्ट के आधार पर वित्तीय अनियमितता पाये जाने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगांव विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मोहड़ के तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य (मूल पद व्याख्याता) दौलत राम आंचले द्वारा मद प्रभारी के जानकारी के बिना विभिन्न मदों से 5 लाख 44 हजार 500 रूपए आहरण किये जाने की शिकायत पर दो सदस्यीय जांच दल गठित कर जांच कराया गया।

जांच प्रतिवेदन के अभिमत के आधार पर प्रभारी प्रचार्य दौलत राम आंचले द्वारा मद प्रभारियों की जानकारी बिना तथा क्रय समिति की बैठक प्रस्ताव व अनुमोदन के शासकीय राशि का नियम विरूद्ध विभिन्न मदों से राशि आहरण करना वित्तीय अनियमितता को दर्शाने का लेख किया गया है। साथ ही जांच अधिकारी द्वारा प्रभारी प्राचार्य श्री दौलत राम आंचले के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा के आधार पर अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु अनुशंसा सहित प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

प्रभारी प्राचार्य दौलत राम आंचले को विभागीय अंकेक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रथम दृष्टया वित्तीय अनियमितता पाये जाने के कारण उनके विरूद्ध पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज करने विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी डोंगरगांव को निर्देशित किया गया है तथा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव को अवगत कराने कहा गया है। साथ ही दौलत राम आंचले को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच संस्थित करने संचालक लोक शिक्षण संचालनालय इन्द्रावती भवन अटल नगर, नवा रायपुर को पत्र प्रेषित किया गया है।

प्री बी. एड. प्रवेश परीक्षा एवं बी. एससी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा 11 जून को

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा 11 जून 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक प्री बी. एड. प्रवेश परीक्षा एवं बी. एससी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया है। जिले में प्री बी.एड. प्रवेश परीक्षा के लिए 10 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें 3076 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इसी प्रकार जिले में बी.एससी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए 5 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 1202 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार सुबह 9.30 बजे बंद कर दिए जाएंगे। जिसके पश्चात किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थियों से निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की गई है।

व्यापम के निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र एवं वैध फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, कैलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैग तथा किसी भी प्रकार की प्रतिबंधित सामग्री ले जाना पूर्णतः वर्जित रहेगा। परीक्षार्थियों को केवल नीले अथवा काले बॉल पेन के साथ परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। परीक्षार्थियों को आधी बांह वाले साधारण एवं हल्के रंग के वस्त्र पहनकर परीक्षा में उपस्थित होना होगा। परीक्षा की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग की जाएगी। इसके लिए हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर तथा मैनुअल पैट-डाउन जांच का उपयोग किया जाएगा। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला पुलिस कर्मियों तथा पुरूष अभ्यर्थियों की जांच पुरूष पुलिस कर्मियों द्वारा की जाएगी।

परीक्षार्थियों के प्रवेश, फ्रिस्किंग एवं सत्यापन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए उन्हें परीक्षा प्रारंभ होने से पर्याप्त समय पूर्व केंद्र में उपस्थित रहने की सलाह दी गई है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल एवं नकलमुक्त संचालन हेतु पर्यवेक्षक, समन्वयक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस नोडल अधिकारी, उडऩदस्ता दल तथा एफएसटी टीमों की नियुक्ति की गई है। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश प्रक्रिया, वीडियोग्राफी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी परीक्षार्थियों से व्यापम द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करने की अपील की गई है।

श्रीमती अनिता सान्याल का निधन

डोंगरगढ़(दावा)। ग्राम अछोली निवासी शिव शंकर (बाप्पी) व प्रदीप सान्याल की माता जी श्रीमती अनिता सान्याल पति स्व. एस आर सान्याल का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे अपने पीछे नाती - पोतों से भरा - पूरा परिवार छोड़ गई।पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती सान्याल की अंतिम यात्रा आज दिनांक 10 जून को प्रातः 11.00 बजे निज निवास से ग्राम अछोली स्थित मुक्तिधाम के लिए निकाली जाएगी।

शांति व्यवस्था भंग करने पर कैलाश लॉज के संचालक के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

होटल-लाज चेकिंग दौरान नहीं किया सहयोग, गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

राजनांदगांव(दावा)। पुराना बस स्टैंड समीप कैलाश लाज से कोतवाली पुलिस द्वारा दी गई दबिश के दौरान लाज संचालक द्वारा जांच में सहयोग नहीं किया गया और उल्टे शांति भंग करने का प्रयास किया गया। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जहां से आरोपी गुंजन जैन पिता स्व. सुनील जैन, उम्र 31 वर्ष, निवासी पुराना बस स्टैंड को जेल भेज दिया गया है।

कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमर शाह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में मंगलवार 9 जून को होटल एवं लॉज चेकिंग अभियान के दौरान पुराना बस स्टैंड स्थित कैलाश लॉज में निरीक्षण किया गया।

ठहरे हुए लोगों की एंट्री रजिस्टर नहीं दिखाया

चेकिंग के दौरान लॉज में ठहरे हुए व्यक्तियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने हेतु प्रवेश (एंट्री) रजिस्टर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। इस पर लॉज संचालक गुंजन जैन द्वारा रजिस्टर दिखाने से इंकार किया गया तथा पुलिस कार्यवाही में बाधा उत्पन्न करते हुए यह कहने लगा कि किसने पुलिस में शिकायत की है, उसे देख लूंगा। पुलिस द्वारा समझाइश देने के बावजूद वह आक्रोशित होकर अभद्र व्यवहार करने लगा तथा गाली-गलौज एवं धक्का-मुक्की करने पर उतारू हो गया। उसके इस कृत्य से मौके पर शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति निर्मित हो गई। परिस्थितियों को देखते हुए उसके विरुद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर धारा 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई तथा उसे कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी श्री शाह सहित प्रधान आरक्षक अफजल खान, लीलेंद्र पटेल एवं थाना स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस ने लोगों से की सहयोग की अपील

कोतवाली थाना प्रभारी श्री शाह ने बताया कि होटल एवं लॉज में बाहरी एवं अज्ञात व्यक्तियों का आवागमन एवं ठहराव होता है, इसलिए उनकी पहचान एवं जानकारी का सत्यापन अत्यंत आवश्यक है। सभी होटल एवं लॉज संचालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे पुलिस की जांच एवं चेकिंग कार्यवाही में पूर्ण सहयोग करें तथा लॉज में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम, पता, पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारी रजिस्टर में विधिवत दर्ज करें। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें, जिससे अपराधों की रोकथाम एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहायता मिल सके।

अवैध डीजल भंडारण एवं कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस ने की प्रभावी कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। जिले के बागनदी पुलिस ने अवैध डीजल भंडारण एवं कालाबाजारी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपी को धर दबोचा है। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से लगभग 500 लीटर डीजल जब्त की है।

दो आरोपी गिरफ्तार, लगभग 500 लीटर डीजल जप्त

आरोपियों के नाम संदीप सिंह, पिता महेन्द्र बहादुर सिंह, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्रीन हाइट कॉलोनी, राजनांदगांव और उत्कर्ष मौर्य, पिता गजेन्द्र मौर्य, उम्र 24 वर्ष, निवासी कैम्प-1, मौर्य आटा चक्की, भिलाई, जिला दुर्ग, वर्तमान पता शेरा ढाबा, ग्राम घोरतलाब,बताया जाता है। बागनदी पुलिस ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के निर्देशन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोंगरगढ़ केसरीनंदन नायक के मार्गदर्शन में थाना बागनदी पुलिस द्वारा अवैध डीजल भंडारण एवं कालाबाजारी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

घोरतलाव स्थित शेरा ढाबा में पुलिस ने दी दबिश

इस दौरान प्राप्त सूचना के आधार पर 6 जून को ग्राम घोरतलाब स्थित शेरा ढाबा में पुलिस टीम द्वारा दबिश दी गई। तलाशी के दौरान मौके से 03 लाल रंग के ड्रम एवं 04 नीले रंग के केनों में संग्रहित लगभग 500 लीटर डीजल बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50,000 रुपये है।बरामद डीजल के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर पुलिस द्वारा जप्ती, नमूना सील, पंचनामा एवं अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई। मामले में अपराध क्रमांक 17/2026 पंजीबद्ध कर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 एवं 7 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान मौके पर उपस्थित आरोपी उत्कर्ष मौर्य को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में संलिप्त दूसरे आरोपी संदीप सिंह को सोमवार 8 जून को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

आरोपियों के है आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान दोनों आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आए हैं। आरोपी उत्कर्ष मौर्य के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत 03 प्रकरण पूर्व से दर्ज पाए गए हैं। वहीं आरोपी संदीप सिंह के विरुद्ध पूर्व में मारपीट, सड़क दुर्घटना से संबंधित अपराध तथा अन्य आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाया गया है।प्रकरण में विवेचना जारी है मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की जाँच की जा रही है।

साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल अकाउंट धारक पुलिस के हत्थे चढ़ा

राजनांदगांव (दावा)। सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने सायबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल एकाउंट धारक को धर दबोचा है और उसे न्यायालय में पेश कर जेल की सीखचों के पीछे भेज दिया है।

आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

बताया जाता है कि आरोपी रुपेंद्र कुमार वर्मा पिता मोहन लाल वर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम पलांदुर ओपी मोहारा थाना डोंगरगढ़ द्वारा विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी की राशि प्राप्त करने के उद्देश्य से किया गया था उक्त अवैध कृत्य। फिलहाल वह जेल की सीखचों में है। कोतवाली थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों में म्यूल बैंक खातों के उपयोग को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में पुलिस की टीम गठित कर आरोपियों की तलाश एवं गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

म्यूल बैंक खातों की की जा रही पहचान

जिसके तहत भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IyC) के समन्वय पोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर ऐसे म्यूल बैंक खातों की पहचान की गई, जिनका उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन, व्ययन एवं संवर्धन के लिए किया जा रहा था। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित बैंक खातों का उपयोग साइबर धोखाधड़ी से अर्जित अवैध धनराशि को प्राप्त करने एवं आगे हस्तांतरित करने के लिए किया गया। बैंक खाताधारकों एवं सहयोगियों द्वारा यह जानते हुए भी कि उक्त राशि धोखाधड़ी एवं बेईमानी से प्राप्त की गई है, उसे प्राप्त एवं उपयोग किया जा रहा था।

एक आरोपी पहले ही भेजा जा चुका है जेल

उक्त तथ्यों के आधार पर थाना सिटी कोतवाली राजनांदगांव में अपराध क्रमांक 279/2025 धारा 317(2), 317(4), 317(5), 111 एवं 3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पूर्व में एक आरोपी चुम्मन कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है। प्रकरण में संलिप्त दूसरे आरोपी रूपेन्द्र कुमार वर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने अपराध स्वीकार किया। जिसे मंगलवार 9 जून को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अवैध शराब बिक्री:21 पौवा देशी शराब जब्त

राजनांदगांव (दावा)। तुमड़ीबोड चौकी पुलिस ने अपने चौकी क्षेत्र में अवैध शराब बेचने वाले आरोपी को धर दबोचा है और उसकु पास से 21 पौवा देशी शेरा शराब एवं बिक्री की रकम 2430 रुपए जब्त की है। चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में लगातार नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है। मुखबिर सुचना पर सतलज ढाबा के बगल ग्राम नाथु नवागांव जाने का रास्ता के पास पुलिस द्वारा रेड कार्यवाही किया गया और घेराबंदी कर आरोपी मोती वर्मा को पकड़ा गया।

गुजराती स्कूल में 12 जून को शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। गुजराती राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक शाला में दिनांक 12 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें शिक्षकों को बच्चों के साथ किस प्रकार से शैक्षणिक गतिविधि के माध्यम से शिक्षा दी जाए एवं बच्चों में संस्कार का बीजा रोपण किया जाए जिससे बच्चे प्रतिभावान संस्कारिक एवं ऊर्जावान बन सके। यह सब तभी फलीभूत होगा जब शिक्षक स्वयं प्रशिक्षित होंगे। बच्चों को योग एवं प्राणायाम के माध्यम से उनका मानसिक एवं बौद्धिक विकास किया जाए तभी यह बच्चे बहुमुखी प्रतिभा के धनी हो सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के श्री राम जी जो कि शिक्षा के साथ योग एव प्राणायाम से जुड़े हुए हैं वह शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे एवं नई-नई गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों द्वारा बच्चों को पढ़ाने की कला सिखाई जाएगी।

"अर्पण नृत्य समागम" चक्रधर कथक कल्याण केन्द्र का आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी राजनांदगांव की सेवा भावी संस्था अपनी स्थापना की 44 (चौवालीस वीं) वर्षो की उपलब्धियों के साथ शिक्षा, संस्कृति, संस्कार के लिए समर्पित चक्रधर कथक कल्याण केन्द्र द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा शस्त्रीय नृत्य संगीत को संस्कारधानी के जनमानस तक पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पीत है। और इन्ही भाव के अनुरूप सनातन मंदिर परंपरा के अर्न्तगत देवालयों में शास्त्रीय नृत्य संगीत को देवी-देवताओं के समक्ष भक्ती भाव से अर्पण करने का विधान प्राचीन शास्त्रों में मिलता है। चक्रधर कथक कल्याण केन्द्र के संस्थापक डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में विगत पैंतीस वर्षो से नगर की कुलदेवी रीद्धी-सिद्धी दात्री माँ शीतला माता के श्री चरणों में पूर्णिमा अथवा एकदशी तिथि को किया जाता है। इस बार अर्पण नृत्य समागम कमला एकादशी ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष विक्रय संवत-2082,11 जून, गुरूवार को संध्या 05 बजे से शीतला माता मंदिर प्रांगण सोनार पारा राजनांदगांव में किया जा रहा है। नगर की सुधी जनता को मंदिर के पुजारीगण पं. सुरेश महराज पं. राजमहराज, सुभाष, मंगल, पं. भुरू, पं. पियूश, पं. पप्पु, पं. अंकित, पं. राम कुमार शर्मा आदि पुजारीगण एवं समस्त पालकगण संस्कारधानी की जनता से अर्पण नृत्य समागम कार्यक्रम में अपने परिवार के बच्चों को जरूर शामील करें। उपरोक्त जानकारी संस्था के तुषार सिन्हा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

तहसीलदार राजनांदगांव के न्यायालय
जिला राजनांदगांव (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्रं..... बी-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक करण बासफोड़ आ. स्व. चंद्रिका बासफोड़ निवासी शहर/ग्राम स्टेशनपारा प.ह.नं..... तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा अपने पुत्री आरती बासफोड़ आ. करण बांसफोड़ जन्म प्रमाण पत्र की मांग की गई है। उपरोक्त आवेदन पत्र इस न्यायालय में जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु प्रकरण विचाराधीन है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई तिथि 23/06/2026 तक लिखित में स्वयं/अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार दिनांक 09/6/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

जारी दिनांक 09/06/2026
सुनवाई दिनांक 23/06/2026

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजनांदगांव (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार घुमका के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202605094700086/

विषय: - अ-06 मामले की श्रेणी:- राजस्व

सनः- 2025-2026 चारभांठा (प ह नं. 00010), पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- कुम्भलाल, धन्नू, बाबूराय, चेतन दास साहू, बालाराम साहू, टीकम लाल साहू, अनिता साहू, गायत्री साहू, कोंदिया बाई साहू, अनावेदक पक्षकार - कुम्भलाल, देवकुंवर, धन्नू, बाबूराय, बिटावन बाई साहू, रमेशर

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण आमजनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुम्भलाल साहू आ. रामरतन साहू निवासी ग्राम चारभाठा तहसील घुमका जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके व उनके सहखातेदारों के संयुक्त नाम पर ग्राम चारभाठा प.ह.नं. 10, तहसील घुमका, जिला राजनांदगांव में स्थित भूमि ख.नं. (रकबा) 112 (0.4700 हे.) 239 (0.3600 हे.) स्थित व दर्ज है. आवेदित भूमि से सहखातेदार देवकुंवर साहू आ. रामरतन की मृत्यु दिनांक **05.02.2025** को तथा बिटावन आ. रामरतन साहू की मृत्यु दिनांक **14.12.2013** को हो गई है. उनके कोई विधिक वारिस नहीं है. सहखातेदार रमेशर आ. रामरतन की मृत्यु दिनांक **09.01.2014** को हो चुकी है, उनके विधिक वैध वारिस उनके पुत्र चेतन दास साहू, बालाराम साहू, टीकम लाल साहू, पुत्री अनीता साहू, गायत्री साहू एवं उनकी पत्नी कोंदिया बाई साहू है. इनके अतिरिक्त अन्य कोई वैध वारिस नहीं है. आवेदक द्वारा मृतक खातेदारों का नाम विलोपित कर उनके वैध वारिसों का नाम नामांतरण किये जाने तथा शेष का नाम यथावत रखे जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है. समर्थन में बी-1, मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है. उक्त नामांतरण के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो इस न्यायालय में आगामी सुनवाई तिथि **15.06.2026** को उपस्थित होकर स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है. निर्धारित तिथि पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/05/2026 को जारी किया जाता है।

Abdul vashim siddiqui
नायब तहसीलदार घुमका

पुरानी यादें हुई ताजा: गुजराती शाला के 2005 बैच के पूर्व छात्रों ने शिक्षकों संग मनाया भावपूर्ण पुनर्मिलन समारोह

राजनांदगांव(दावा)। संस्कारधानी राजनांदगांव गौरव पथ में स्थित गुजराती राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक शाला वर्ष 2005 बैच के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा एबिस ग्रीन में अपने शिक्षकों के साथ एक भावपूर्ण गुरु-शिष्य पुनर्मिलन (रियूनियन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्षों बाद एकत्रित हुए विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की तथा विद्यालय में बिताए गए सुनहरे पलों को याद किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मान किया। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये छात्रों द्वारा अपना परिचय दिया। जो आज डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, बैंक, व्यवसायी बन सफलता की ऊंचाइयों को छू रहे हैं। यह शाला के लिए गर्व की बात है। शाला की पूर्व प्राचार्य हंसा जे पोपट ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि उनके शिक्षक-शिक्षिकाएं में वह योग्यता व कुशलता थी जिसके कारण 2002-03 में रश्मि लालवानी ने कक्षा 12वीं छत्तीसगढ़ माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान अर्जित कर गुजराती शाला को गौरांवित किया था कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक राम आसारे सोनी ,पूर्व प्राचार्य प्रताप सिंह चौहान, पूर्व प्राचार्य राकेश चौबे,वर्तमान में पदस्थ उप प्राचार्य अर्पणा श्रीवास्तव ,अवशेष गुप्ता ,राकेश शर्मा, अनीता यादव, सुशीला सिंहल, डॉक्टर संगीता गुप्ता ,आलोक जोशी ,गौरीशंकर साहू ,सुनील देवांगन, कविता बैंस ,जितेंद्र अमृत समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे, इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने छात्र जीवन से जुड़ी अनेक रोचक स्मृतियाँ साझा कीं। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, उत्साह और भावनात्मक जुड़ाव से परिपूर्ण रहा। सभी उपस्थित जनों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से आपसी संबंधों को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया। अंत में मनीष लालवानी ने सभी शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पुनर्मिलन समारोह पुराने रिश्तों को पुनर्जीवित करने तथा गुरु-शिष्य परंपरा को सम्मानित करने का यादगार अवसर सिद्ध किया। सभी विद्यार्थियों द्वारा यह आयोजन 07 जून को आयोजित किया गया था।

लावारिस हालत में मिली बच्ची को पुलिस ने लिया अभिरक्षा में, सुरक्षित परिजनों को सौंपा

राजनांदगांव (दावा)। सुकुल दैहान चौकी पुलिस ने अपने चौकी क्षेत्र में एक 13 वर्षीय नाबालिग बालिका को लावारिस हालत में पाए जाने पर किसी अनहोनी के भय से तुरंत उसके अपने अभिरक्षा में लिया और बाद में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इत्तिला कर उसके परिजनों के हाथों सुरक्षित सौप दिया गया।

बच्ची के सुरक्षित मिलने पर माता-पिता ने पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है। चौकी प्रभारी ने बताया कि मंगलवार 9 जून को ग्राम सुकूलदैहान में एक लगभग 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची अकेली एवं लावारिस अवस्था में घूमती हुई पाई गई। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना पुलिस चौकी सुकूलदैहान को दी गई। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस चौकी सुकूलदैहान द्वारा तत्काल बच्ची को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस अभिरक्षा में लेकर चौकी लाया गया तथा उससे आत्मीयतापूर्वक पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान बच्ची ने अपना निवास जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई (के.सी.जी.) क्षेत्र का होना बताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस चौकी सुकूलदैहान द्वारा तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

ठेलकाडीह क्षेत्र से भटक इस ओर चली आई थी बच्ची

0 भटक कर सुकुल दैहान की ओर चली आई थी बच्ची:

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा आवश्यक एवं उचित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया, जिसके परिपालन में बच्ची के परिजनों की तलाश प्रारंभ की गई। सतत प्रयासों के फलस्वरूप बच्ची के माता-पिता से संपर्क स्थापित कर उन्हें पुलिस चौकी सुकूलदैहान बुलाया गया। पूछताछ के दौरान माता-पिता ने बताया कि उनकी पुत्री ठेलकाडीह क्षेत्र से भटककर सुकूलदैहान की ओर चली गई थी तथा वे उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने थाना ठेलकाडीह जाने वाले थे। पहचान एवं आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण किए जाने के उपरांत नाबालिग बच्ची को सकुशल उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी पुत्री को सुरक्षित पाकर माता-पिता ने पुलिस चौकी सुकूलदैहान, थाना लालबाग पुलिस की संवेदनशीलता, तत्परता एवं सजग कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
3-5-7
240-6 390-2
राजधानी
2-6-9
556-6 188-7

चेतावनीः- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

नवतपा और पंचक के बाद भी भीषण गर्मी का कहर जारी

जन-जीवन बेहाल, लोगों की निगाहें आसमान की ओर, कब आओगे

राजनांदगांव (दावा)। जेष्ठ माह की गर्मी को 25 जून से लगे नवतपा ने चरम उत्कर्षता का रंग दिया। नौ- दिनों तक नौ तपे ने खूब तपा। इस दौरान भीषण गर्मी ने कहर मचाया। इसके बाद पांच दिनों तक पंचक ने अपना उग्र रुप दिखाया। जन -जीवन इससे कराह उठा। तीखी धूप और हवाओं के गर्म थपेड़ो ने लोगों को ऐसा झुलसाया कि घर के अंदर दुबके रहने के लिए मजबूर कर दिया। रात में बिल्डिंगे गर्म हो जा रही है। प्रचंड गर्मी के आगे पंखे कूलर एसी भी काम नहीं कर पा रहे हैं। करवट बदल-बदल कर रातें कट रही है। दिक्कत की बात यह कि अब न नवतपा रह गया है और न पंचक, इसके बाद भी पसीने छुड़ा देने वाली गर्मी से लोग हाल -बेहाल है। नौ-तपे के बाद भी भीषण गर्मी से कोई राहत नहीं है। पारा 45 से 46 डिग्री तक पहुंच गया है। इससे राजनांदगांव एक बार फिर सबसे गर्म शहर में शुमार हो गया। लोग इस भीषण गर्मी से इतने तप गए हैं कि बस अब मानसून ही उनका सहारा नजर आने लगा है। लोगों की निगाहें आसमान की ओर है लेकिन मानसून के आने में भी देरी लग रही।

हालांकि मौसम विभाग दक्षिण पश्चिम मानसून को अगले चार-पांच दिनों में छत्तीसगढ़ पहुंच जाने की बात कह रहा है। देखना यह है कि उक्त नीयत समय में मानसून दखल दे पाता है या नहीं। बहरहाल लोग अभी प्रचंड गर्मी की आग में तपने मजबूर हैं। बीच- बाच में एक- दो दिन बारिश पानी के आसार क्या बने, जिले में भीषण उमस बो दिया। लोग चिपचिपी गर्मी परेशान हो रहे हैं। भीषण गर्मी और उमस से पसीने से तर-बतर हो जाना पड़ रहा है। सुबह से लेकर देर शाम रात तक मानो भट्ठी दहक रहे ऐसी स्थिति में जीवन जीनी पड़ रही है। मौसम विभाग ने बताया कि हवा के साथ नमी की मात्रा आ रही है वहीं आसमान में बादलों की मौजूदगी बनी हुई है इससे उमस बढ़ गई है।

12 जून से बढ़ेगी बारिश की गतिविधियां

मौसम विभाग की मानें तो अगले दो-तीन दिनों में गरज -चमक की स्थिति बन सकती है। इसके बाद 12 जून से बारिश के लिए माहौल तैयार हो सकता है। मौसम विभाग ने अगले चार-पांच दिन मे महाराष्ट्र से लेकर कर्नाटक, तेलंगाना, ओड़िशा के साथ छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में मानसून के दाखिल होने का पूर्वानुमान जारी किया है। इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में प्री-मानसून की बौछारें पड़ेगी। मानसून को लेकर बनी अनुकूल स्थिति से मालूम पड़ता है कि 15 जून तक मानसून पूरे राज्य में विस्तारित हो जाएगा। राहत की बारिश होनी शुरू हो जाएगी। बताते चलें कि जिले में लगातार तीन सालों से औसत से अधिक बारिश हो रही है। पिछले साल भी सीजन में झमाझम बारिश हुई थी जो औसत बारिश से 10 से 12 प्रतिशत अधिक रहा। नदी नाले उफान पर थे।जलाशय लबालब है गए थे। तालाबों में भी पर्याप्त पानी भर गया था। मौसम विभाग ने इस बार बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना जताई है। फिलहाल तो इस गर्मी के सीजन में जल संकट जैसी स्थिति से गुजरना पड़ रहा है। शहर के आउटर में जल संकट तो बना हुआ है वहीं कई गांवों में पेयजल के साथ निस्तारी संकट गहराया हुआ है।

बारिश होने पर मिलेगी जल संकट से मुक्ति

बता दें कि गर्मी के तांडव से नदी नाले जलाशयों के तेजी से जल स्तर घटा है। गर्मी के शुरुआती दौर मे समीप के मटिया मोती बांध से पानी लाया गया। इसके बाद मोंगरा बैराज से पानी लाया गया। पखवाड़े भर पहले मोंगरा बैराज से फिर पानी छोड़ा गया जिससे शहर की प्यास बूझ रही है। भीषण गर्मी के चलते अब मोंगरा बैराज में भी 5 फीट पानी कम हो गया है। पीएचई की मानें तो 40 से 50 मीटर तक भू-जल स्तर गिर गया है। यदि आधे जून माह के बीतने पर बारिश होती है तो भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत तो मिलेगी ,पानी के संकट से भी निजात मिल सकता है। मौसम विभाग ने 15 जून से मानसून के विस्तारित होने की बात कही है। इससे बारिश होना तो शुरू हो जाएगा लेकिन सबसे अधिक बारिश जुलाई माह में ही होने की संभावना जताई जा रही है

प्रापर्टी डीलर कार्यालय में संदिग्ध गतिविधियों का हो रहा संचालन, पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपी

एसडीएम न्यायालय ने पेश किए गए आरोपी

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र जमात पारा स्थित एक प्रापर्टी डीलर कार्यालय में दबिश दे कर वहां संदिग्ध गति विधियां चलाने वाले लोगों को हिरासत में लिया है और क्षेत्र में शांति भंग की आशंका से आरोपियों को हिरासत में लेकर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।बसंतपुर थाना प्रभारी एमन साहू ने बताया कि जमातपारा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों एवं शांति भंग की आशंका पर पुलिस द्वारा प्रीमन कुमार जैन उर्फ अप्पू जैन, पिता सुभाष चंद जैन, उम्र 45 वर्ष, निवासी केशर नगर, गायत्री स्कूल के पास को हिरासत में लिया गया है। श्री साहू ने बताया बताया कि पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के निर्देशन में जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम मे मंगलवार 9 जून को सूचना प्राप्त हुई कि जमातपारा क्षेत्र स्थित एक प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय में संदिग्ध गतिविधियों का संचालन हो रहा है जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोश व्याप्त है तथा बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए हैं।

हो- हल्ला और अव्यवस्थित व्यवहार

इस सूचना पर बसंतपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची? और वहां पर एक संदिग्ध महिला मिली जो कैलाश लॉज संचालक प्रीमन कुमार जैन उर्फ अप्पू जैन के साथ आना बताई। दोनों को पूछताछ के लिए थाना लाया गया जहां पुलिस की उपस्थिति में दोनों व्यक्तियों द्वारा हो-हल्ला एवं अव्यवस्थित व्यवहार किया जा रहा था। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों द्वारा संतोषजनक एवं स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई तथा पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करते हुए टालमटोल किया गया। पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध पृथक-पृथक प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई तथा उन्हें एस.डी.एम. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। थाना प्रभारी श्री साहू ने बताया कि कानून व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले तथा असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

अवैध ईंधन कारोबार का भंडाफोड़, 35 लाख से अधिक का डीजल-पेट्रोल जब्त, 4 गिरफ्तार

रायपुर (दावा)। राजधानी रायपुर में पुलिस ने अवैध डीजल-पेट्रोल कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित नेटवर्क का खुलासा किया है। कबीर नगर थाना पुलिस ने छापेमारी कर 14,100 लीटर डीजल-पेट्रोल, नकदी और अन्य उपकरण जब्त करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कबीर नगर क्षेत्र में कान्हा ढाबा के पीछे और ईपी रोलिंग मिल के पास अवैध रूप से पेट्रोल और डीजल का भंडारण कर उसकी बिक्री की जा रही है।

समाज हित सर्वोपरि टोमन साहू के नेतृत्व पर समाज जता रहा भरोसा

अध्यक्ष पद हेतु बढ़ता जनसमर्थन, विकास और एकता को बताया प्राथमिकता

राजनांदगांव (दावा)। जिला साहू संघ के आगामी अध्यक्षीय चुनाव को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। आगामी 14 जून 2026, रविवार को होने वाले चुनाव में अमलीडीह निवासी भाई टोमन साहू अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की हैं। समाज के विभिन्न वर्गों से उन्हें लगातार समर्थन और शुभकामनाएं प्राप्त हो रही हैं। श्री साहू अपनी शिक्षा, सरल स्वभाव, मृदुभाषी व्यक्तित्व तथा समाज के प्रति समर्पित सेवा भावना के लिए जाने जाते हैं। लंबे समय से वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाजहित के कार्यों में योगदान देते आ रहे हैं। उनके समर्थकों का मानना है कि उनके नेतृत्व में जिला साहू संघ को नई दिशा और नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी भाई टोमन साहू ने समाज के सर्वांगीण विकास को अपना प्रमुख लक्ष्य बताया है। उनका स्पष्ट संकल्प है कि समाज को शिक्षा, रोजगार, संगठन और सामाजिक एकता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने अपने संकल्प पत्र में निम्न प्रमुख बिंदुओं को प्राथमिकता दी है समाज के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा के स्तर को मजबूत बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग समाजहित में किया जाएगा। युवाओं और समाज के लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा व्यवसायिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आपसी भाईचारे, सहयोग और एकता की भावना को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास के लिए निरंतर योजनाबद्ध कार्य किए जाएंगे ताकि प्रत्येक परिवार को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके। भाई टोमन साहू एवं उनके समर्थकों ने जिला साहू समाज के सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे आगामी 14 जून 2026 को होने वाले चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। उनका विश्वास है कि समाज के सहयोग और आशीर्वाद से एक सशक्त, संगठित एवं समृद्ध समाज के निर्माण का सपना साकार होगा। हमारा संकल्प एक सशक्त, संगठित और समृद्ध समाज।

आज जाति प्रमाण पत्र संघर्ष मोर्चा राज्यपाल के नाम सौंपेगे ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। भारत सरकार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का उल्लेखित निर्देशों के अनुपालन में छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) नियम, 2013 में दिनांक 24 सितंबर 2020 को जारी अधिसूचना की भांति संशोधन किए जाने के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न अनुसूचित जाति समाज के संगठन के सदस्यों ने आज दिनांक 10 जून 2026 को जिला कार्यालय राजनांदगांव में स्थित भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष उपस्थित होकर अपनी एक सूत्रीय मांग के प्रति छत्तीसगढ़ सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। आज ही के दिन अर्थात 10 जून 2025 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा (न्यायालयों के द्वारा दिए गए निर्णयों के आधार पर) मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन को पत्र जारी करते हुए स्पष्ट किया कि पुनर्गठित नवीन राज्य जैसे छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड इत्यादि में निवास के लिये कट-ऑफ डेट अगस्त 1950 न होकर प्रदेश गठन की अधिसूचना की तिथि होगी।

गायत्री विद्यापीठ सीबीएसई के आईआईटी में चयनित छात्र प्रतीक साहू के सम्मान हेतु विशेष समारोह का आयोजन

कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों एवं पालकों का भी सम्मान

राजनांदगांव (दावा)। निरंतर ऊँचाईयों की बुलंदियों को छूता, हिम शिखर की तरह शोभायमान गायत्री विद्यापीठ में आज कक्षा 12वीं सीबीएसई के मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके पालकों हेतु एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थी एवं पालकों का स्वागत, तिलक वंदन एवं पुष्पवर्षा के साथ किया गया। आयोजन में विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। आईआईटी में चयनित छात्र प्रतीक साहू पिता दिलीप कुमार साहू, श्रीमती दीप्ति साहू का विशेष सम्मान किया गया। स्वागत भाषण गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ.बृजकिशोर सुरजन जी द्वारा दिया गया जिसमें उन्होंने कहा कि यह विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नैतिक मूल्यों एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देना ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक तैयार करना है जो समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें, आप सभी की यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व की बात है, आगे भी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आप सफल हों। हम ऐसी शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। सीबीएसई के प्राचार्य श्री अंकित व्यास द्वारा अपने उदबोधन में कहा गया कि विद्यार्थी शिक्षक और अभिभावक ये तीनों ही शिक्षा के सशक्त स्तंभ है। इन तीनों के समन्वित प्रयासों से ही उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त होते हैं।

इस आयोजन में आमंत्रित पालकों द्वारा विद्यार्थियों की उपलब्धि पर विद्यालय एवं विद्यालयीन व्यवस्था की भूरि+भूरि प्रशंसा करते हुए कहा गया कि गायत्री विद्यापीठ शिक्षा ही नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों का भी सशक्त केन्द्र है। उन्होंने विद्यालय के मार्गदर्शन, समर्पण एवं निरंतर प्रयासों की भी सराहना करते हुए शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि विद्यालय का सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है। इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। आभार प्रदर्शन गायत्री शिक्षण समिति के सचिव गगन लड्ढा द्वारा किया गया जिसमें उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए उपस्थित पालकों के योगदान की सराहना कर मेधावी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं शुभकामनाओं के साथ हुआ। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, उपाध्यक्ष राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनोज चितलांग्या, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य अंकित व्यास, श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल, सुश्री सीमा श्रीवास्तव, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, श्रीमती वंदना डुंभरे, श्रीमती तामेश्वरी साहू, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

गैस के दाम में लूट और कम भी कर दिए छूट - कुसुम दुब

9 सब्सिडी सलेंडर की जगह 4 का निर्णय अन्यायकारक

राजनांदगांव (दावा)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी की महामंत्री अधिवक्ता कुसुम दुबे ने केंद्र सरकार द्वारा घरेलू गैस में 7 जून से 29 रु की बढ़ोतरी और उज्जवला गैस योजना के हितग्राहियों के लिए सालाना मिलने वाले 9 सब्सिडी सिलेंडर को घटकर 4 करने के निर्णय को नारी शक्ति के साथ अन्याय बताया है। क्योंकि कामर्शियल गैस में मई जून माह में 1035 रु की बढ़ोत्तरी महंगाई की मार से सर्वहारा वर्ग झुलस गया है। महामंत्री कुसुम दुबे ने कही कि भाजपा सरकार में महिलाओं के लिए लागू योजनाएं प्रताड़ना का ही पर्याय बन गई है जैसे उज्जवला गैस योजना के नाम पर भाजपा सरकार मात्र महिलाओं को छलने का ही काम करती रही है महंगाई की मार के चलते कुल कनेक्शनधारियों में से लगभग 4 करोड़ से अधिक ने तो कनेक्शन लेने के बाद एक भी बार रिफलिंग नहीं करा पाएं वहीं 3 करोड से अधिक ने मात्र एक ही बार रिफलिंग कराएं है महंगाई की वजह से रिफलिंग नहीं कराए जाने के कारण वर्ष 24-25 में प्रति कनेक्शन रिफलिंग दर 4.43 व वर्ष 25-26 में 4.48 होने पर सरकार इसे औसत खपत 4 से 5 तय कर सरकार अपनी उपलब्धि हितग्राहियों की मितव्यवता बताकर प्रतिवर्ष 9 सब्सिडी सिलेंडर की जगह 4 देने का तुगलकी निर्णय लेते हुए महंगाई की मार से त्रस्त जनता को 300 के दर से 2700 रु मिलने वाली सब्सिडी राशि को अब 1200 रु करते हुए 1500 रु की कटौती कर दोहरी आर्थिक मार दे दी है। बार बार के वाई सी के नाम से प्रताड़ित जनता को नियमित सब्सिडी की राशि भी नहीं मिल पा रही है ग्रामीण क्षेत्र में उज्जवला गैस कनेक्शन में समय पर रिफलिंग की भीषण परेशानी से भी सरकार बेसुध है कुल मिलाकर सरकार योजना के नाम पर सुई का दान और सब्बल की वसूली के रूप में प्रमाणित हो गई है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में ऐतिहासिक कदमः भाजपा

प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने कहा: अब सीधे मुख्यमंत्री सचिवालय करेगा जनता की समस्याओं की मॉनीटरिंग

रायपुर(दावा)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन 1076 और ऑनलाइन पोर्टल की अनूठी पहल का) स्वागत करते हुए इसे प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम बताया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार जनता के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। अब तक छत्तीसगढ़ के नागरिकों को अपनी छोटी-बड़ी शिकायतों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन अब इस नई हेल्पलाइन के जरिए प्रदेश के आम नागरिकों को सीधे मुख्यमंत्री सचिवालय तक अपनी बात पहुँचाने का सीधा मौका मिलेगा। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि इस हेल्पलाइन के तहत दर्ज होने वाली हर शिकायत की मॉनीटरिंग सीधे मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा की जाएगी, जिससे सरकारी अधिकारियों और विभागों में जवाबदेही तय होगी। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि इससे पहले की हेल्पलाइन व्यवस्थाओं में अधिकारियों की उदासीनता के कारण जनता का भरोसा डगमगा गया था। जनता की इसी परेशानी को समझते हुए वर्तमान भाजपा सरकार ने एक सशक्त, पारदर्शी और सीधे मुख्यमंत्री सचिवालय से नियंत्रित होने वाला नया सिस्टम खड़ा किया है। श्रीमती पाण्डेय ने विश्वास जताया कि यह हेल्पलाइन प्रदेश के अंतिम व्यक्ति को सशक्त बनाएगी और प्रशासनिक तंत्र को और अधिक जिम्मेदार व संवेदनशील बनाएगी।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया वन विभाग देवरी पहुंची टीम, 48 एकड़ निजी भूमि पर 100 से अधिक पेड़ों की कटाई की पुष्टि

खैरागढ़ (दावा)। बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के मामले में खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया वन विभाग।। ग्राम देवरी में 48 एकड़ भूमि पर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के मामले को लेकर समाचार प्रकाशित होने के बाद वन विभाग तत्काल हरकत में आ गया।। मुख्य वनमंडलाधिकारी पंकज राजपूत के निर्देश पर वन परिक्षेत्र अधिकारी रमेश टंडन सहित विभागीय टीम मौके पर पहुंची और कटाई स्थल का निरीक्षण किया।। जांच में वन विभाग ने पाया कि ग्राम देवरी स्थित खसरा नंबर 126/1, 126/2, 126/3 एवं 126/4 की कुल लगभग 48 एकड़ निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई की गई है।। निरीक्षण के दौरान करीब 2 एकड़ क्षेत्र में 100 से अधिक पेड़ों की कटाई होने की पुष्टि हुई।।

जांच में यह भी सामने आया कि खसरा नंबर 126/1 के भूमिस्वामी रूपेश चंद्राकर एवं उनकी पत्नी प्रतिभा चंद्राकर, खसरा नंबर 126/2 की भूमिस्वामी प्रमिला चंद्राकर, खसरा नंबर 126/3 के भूमिस्वामी सोमनाथ चंद्राकर एवं उनकी पत्नी तनुजा चंद्राकर तथा खसरा नंबर 126/4 के भूमिस्वामी कमला चंद्राकर, रवींद्र कुमार चंद्राकर एवं राकेश कुमार चंद्राकर हैं।। भूमि अभिलेखों से स्पष्ट होता है,कि लगभग 12-12 एकड़ के हिस्सों में यह जमीन एक ही परिवार से जुड़े लोगों के नाम पर खरीदी गई है, जिसका कुल रकबा 48 एकड़ है।।

वन विभाग ने मौके पर पंचनामा तैयार कर अपनी जांच रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग को सौंप दी। चूंकि मामला निजी भूमि पर वृक्ष कटाई से जुड़ा है, इसलिए अब कार्रवाई की जिम्मेदारी राजस्व विभाग पर आ गई है।। वहीं इस मामले में राजस्व विभाग को लिखित शिकायत भी सौंपे जाने की जानकारी मिली है।।

जिला मुख्यालय से महज 10 किलोमीटर दूर स्थित देवरी में इतने बड़े पैमाने पर वृक्षों की कटाई सामने आने के बाद पर्यावरण संरक्षण और विभागीय निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।। अब देखना यह होगा कि राजस्व विभाग जांच रिपोर्ट और शिकायत के आधार पर इस मामले में कब तक कार्रवाई करता है।

बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले को मिला पांच वर्ष का सश्रम कारावास

थाना बसंतपुर क्षेत्र में घटी 2022 का था यह मामला

राजनांदगाँव(दावा)। बसंतपुर थाना क्षेत्र में एक बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को सश्रम कारावास की सजा मिली है। उक्त सजा न्यायालय माननीय अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रेक स्पेशल कोर्ट द्वारा दी गई।

बसंतपुर थाना क्षेत्र में घटी उक्त घटना के संबंध में ,(पाक्सो) पीठासीन न्यायाधीश अनिल कुमार बारा ने मामले में फैसला सुनाते हुऐ अभियुक्त के विरूद्ध आरोप साबित पाये जाने पर अभियुक्त बी उर्फ ए एन को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 354 के तहत् 01 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1000 रूपये अर्थदंड, अर्थदंड की राशि अदा न किये जाने की स्थिति में 01 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 10 के तहत् 05 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 2000 रूपये अर्थदंड व अर्थदंड की राशि अदा न किये जाने की स्थिति में 01 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा से दंडित किये जाने का दण्डादेश पारित किया गया।

मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक (पाक्सो एक्ट) सुश्री प्रिया कांकरिया ने बताया कि, नौ वर्षीय बच्ची अपनी माता के साथ थाना बसंतपुर क्षेत्र में निवासरत् है। माह मई 2022 में जब बच्ची अपने घर के पास खेल रही थी तभी अभियुक्त उसे जूस लाने के लिये पैसा देने के बहाने अपनी नानी के घर ले जाकर उसके हाथ, सीना, पेट को पकड़कर छेड़छाड़ किया और जान से मारने की धमकी दिया। बच्ची की माता की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर द्वारा मामला पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया था तथा संपूर्ण जांच उपरान्त अभियोग पत्र विधारण हेतु विशेष न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।

अनमोल दावा

> मन में सकारात्मक विचार रखने से हर बड़ी मुश्किल आसान हो जाती है।

औपनिवेशिक छाप से मुक्त हो शिक्षा

देश में रह-रहकर बौद्धिक वर्ग में डीकोलोनाइजेशन यानी वि-उपनिवेशीकरण की चर्चा छिड़ती रहती है, लेकिन वह किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाती। यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि जब भी वि-उपनिवेशीकरण की मुहिम छिड़े तो उसका आधार भी भारतीय होना चाहिए। हमें इस तथ्य को पहचान कर भारत में समकालीन उच्च शिक्षण संस्थानों और उनके उत्पादों, अनुसंधान प्रयासों एवं स्नातकों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। इस संदर्भ में देखा जाए तो उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम को नवाचारों के माध्यम से सजीव करने की आवश्यकता तो बहुत दिनों से महसूस की जाती रही है, परंतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका। यह प्रवृत्ति देशज विकास के प्रयासों में सदैव बाधक ही रहेगी। स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्षों बाद भी देश की शैक्षणिक प्रणाली पर औपनिवेशिक पकड़ को समाप्त करना एक कठिन कार्य सिद्ध हो रहा है।

वर्तमान में कई भारतीय संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य की वास्तविकताओं या इसकी समस्याओं के ज्ञान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते। उच्च संस्थानों की प्रणालियों में भारतीय ज्ञान के वि-उपनिवेशीकरण के प्रयासों को तभी स्पष्ट और सक्रिय रूप से समर्थन दिया जा सकेगा, जब छात्रों को यह सिखाया जाए कि मौलिकता की राह पर कैसे चलें? उन्हें भारतीय परिस्थितियों के लिए विशेष और विशिष्ट समाधान की दिशा में सोचने के लिए भी शिक्षित करना होगा। भारतीय ज्ञान की वर्तमान व्यवस्था के वि-उपनिवेशीकरण से ही पूर्ण स्वराज की प्राप्ति संभव हो सकेगी। अब नवोन्मेषी विचारों और कार्यक्रमों की शुरुआत करने से पहले सोचने के लिए ज्ञान मीमांसकीय रूप से स्वतंत्र होना होगा। ज्ञान मीमांसकीय मुक्ति मानसिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वतंत्रता को जन्म देती है।

शिक्षा के उच्च संस्थानों ने भारतीय विचार-दृष्टि की गतिशीलता पर अपनी पकड़ खो दी है। इसका एक विशेष कारण है ज्ञान को समायोजित करने के लिए भारतीय भाषाओं को विकसित करने में विफलता। आज भी अंग्रेजी प्रामाणिक भाषा है और ज्ञान की दुनिया में उसी का वर्चस्व है। मन में हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में सोचते हुए उन विचारों को अंग्रेजी में उल्था कर प्रस्तुत करना समयसाध्य ही नहीं, बहुधा निष्प्रभावी एवं अप्रामाणिक भी सिद्ध होता है। मौलिक सोच का अवसर इसलिए भी जाता रहता है कि हम अपने विचार और उसकी कोटियां विदेश से आयातित किए हुए हैं और उसमें च्फिटज् किए बगैर सोचने-विचारने की प्रक्रिया ही नहीं शुरू हो पाती है। अपने शिक्षण संस्थानों में होने वाले बौद्धिक प्रयासों, शिक्षण प्रक्रिया और अनुसंधान में भारतीय भाषाओं को संस्थागत रूप से न अपना पाना मौलिकता के रास्ते में एक बहुत बड़ा रोड़ा है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि कई देश जो तकनीकी प्रगति में छलांग लगा रहे हैं, आविष्कारों में प्रगति कर रहे हैं और अकादमिक उत्कृष्टता की सीमाओं को तोड़ रहे हैं, वे ही देश हैं जिन्होंने अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को अपने अनुसार अनुकूलित एवं विकसित किया है। दुर्भाग्य से हमने अपने सोच को उन सीमाओं के भीतर ही सीमित करके बांध लिया है, जो पश्चिमी शिक्षा से विरासत के रूप में हमें मिला। साथ ही हम व्यावहारिक और उपयोगी विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त उत्सुक भी नहीं हैं। चाहे जो भी हो, यूरोकेंद्रित ज्ञान माडल में डूबे रहने से हमारे विचारों का उपनिवेशीकरण लगातार बढ़ता रहा है और यह हमेशा देशज विकास के उन प्रयासों में बाधा भी उत्पन्न कर रहा है, जो आत्मनिर्भर देश की जरूरत है।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण और समकालीन अनुसंधान और वैचारिक वास्तविकताओं में उन विचारों एवं सिद्धांतों के समावेश के अलावा, भारतीय विश्वविद्यालयों को भारतीय प्रतिभा और ज्ञान मीमांसा को ईमानदारी से चित्रित करने के लिए मौजूदा पाठ्यक्रमों और शैक्षिक कार्यक्रमों का सुनियोजित विस्तार करना होगा। तभी वे देश को सक्षम और तत्पर बनने में कामयाब हो सकेंगे। हमारे पाठ्यक्रम और उनकी मूल्यांकन पद्धति भारतीय विश्वदृष्टि के पीछे छिपे तर्क और उनकी समीक्षा पर प्रश्न पूछने और उनका विस्तार करने में सक्षम होने चाहिए। ये पाठ्यक्रम छात्रों और लोगों की रुचि को इस तरह से आकर्षित करने वाले होने चाहिए, जो भारतीय ज्ञान परंपरा से चुनकर नाम गिनाने की कवायद की औपचारिकताएं मात्र न निभा रहे हों, बल्कि उनके माध्यम से सोचने के लिए प्रेरित हों।

इस दिशा में आवश्यक है कि वे स्वयं अपनी और राष्ट्रीय चेतना का आह्वान भी कर सकें। भारतीय मनीषा और अवधारणाओं को सहज प्रासंगिक रूप से शिक्षा में शामिल करना होगा कि वे अतिरिक्त भार न बनकर हमारी आवश्यकताओं एवं चुनौतियों का सामना करने में हमें समर्थ बना सकें। इसलिए, उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में नए विचारों के समन्वय और संयोजन के माध्यम से प्राणवान बनाकर नई जान फूंकना आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य हो चला है। वैश्वीकरण के इस दौर में ऐसे कदम उठाने इसलिए भी जरूरी हैं, क्योंकि वे ऐसी वैचारिक संरचनाओं को नया आकार देने में सहायक होंगे जो संरचनाएं वैश्विक ज्ञान समुदाय में भारतीयों की स्थिति को बेहतर बना सकेंगी।

देश की सुरक्षा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 जून को संवैधानिक चुनाव पद्धति से चयनित सबसे अधिक कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री हो जायेंगे । मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4398 दिनों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर 4399 दिन अपनी देश सेवा के पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अपने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री दोनों के कार्यकाल को जोड़कर 25 वर्षों के साथ ही 9007 दिनों की अनवरत राष्ट्र सेवा को भी पूर्ण करेंगे। यह उत्साही ,अविश्रांत, अनथक कर्मयोगी की यात्रा है ।

देश के विकास के लिए अनेक कीर्तिमान गढ़ने वाले कठोर निर्णयों के लिए तो 12 वर्षों का उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहेगा ही साथ-साथ देश की सुरक्षा के लिए भी उनके योगदान और भुलाया नहीं जा सकता । राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत का अनुपालन करते हुए उन्होंने आतंकवाद से प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया । 13 जून 2014 को भारतीय सेना के साउथ ब्लॉक में स्थित रक्षा वॉर रूम में सेना उच्च अधिकारियों के साथ संवाद एवं रक्षा तैयारियों की समीक्षा कर ही अपनी सुरक्षा के प्रति प्राथमिकता को स्पष्ट कर दिया था। जब समस्त देश दीपावली पर दीपों से अपने-अपने घरों को प्रकाशमान करता है तब प्रधानमंत्री सीमा पर सुरक्षा में तैनात जवानों के बीच में उपस्थित रहकर देश उनके साथ है ऐसा संदेश देते हैं । सियाचिन से प्रारंभ कर 12 वर्षों में 12 स्थानों पर जाकर उन्होंने अपनी सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है।

आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के संदर्भ में कहा था कि मजबूत सेना के बिना राष्ट्र सुरक्षित नहीं रह सकता। 1962 में चाइना युद्ध में हमारी पराजय तथा 1964 में चाइना के परमाणु परीक्षण के बाद निर्मित निराशाजनक स्थिति से उबारने के लिए भारत को भी परमाणु शक्ति युक्त होना चाहिए , यह मांग जनसंघ ने 4 दिसम्बर 1964 को पटना अविवेशन में की थी। तब कांग्रेस सहित समस्त दलों ने इस माँग का उपहास किया था । जनसंघ के इसी संकल्प की पूर्ति को 11 मई 1998 को प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पोखरण विस्फोट कर पूर्ण किया था । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आने के बाद 2014 रक्षा विभाग का बजट 2.27 लाख की तुलना में 3 गुना 7.85 लाख करोड़ हो गया। आज हम 100 से अधिक देशों को अपने रक्षा उत्पाद बेच रहे हैं । अब हमारा निर्यात में 2014 की तुलना में 686 करोड़ से बढ़कर 2025 -26 में 38424 करोड़ अर्थात 56 गुना वृद्धि हुई है । अब हम हाइपर सोनिक मिसाइल , ब्रह्मोस ,बैलिस्टिक मिसाइल , एयर डिफेन्स एवं रडार सिस्टम को ध्वस्त करने वाले रुद्रम -2, प्रलय, आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल बना रहे हैं । भारत का स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, राफेल, एस - 400 विमानों से हम युक्त हैं। आर्मेनिया ने येरेवान रिपब्लिक स्क्वायर में भारत में बनी आकाश एयर डिफेन्स मिसाइल एवं पिनाका रॉकेट लौनचर्स का प्रदर्शन भारतीयों को मस्तक ऊँचा करता हैं। 15 अगस्त 2025 को लाल किला से

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वदेशी क्षमताओं, मेड इन इंडिया हथियारों ने सिद्ध किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा विदेशी निर्भरता पर नहीं टिक सकती। इसी का परिणाम ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने 22 मिनट में ही सभी निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर किए थे। 72000 करोड़ की लागत से तैयार होने वाली ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक समृद्धि, सामुद्रिक रणनीति एवं सुरक्षा का आधार बनेगी।

सेना में स्वदेशी रक्षा उत्पाद, रक्षा बजट में वृद्धि, सेना के आधुनिकीकरण के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा पर सफलता प्राप्त करना ऐतिहासिक कदम है । 2014 से पूर्व पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद चरम पर था। केवल कश्मीर ही नहीं देश का कोई शहर सुरक्षित नहीं था। मुंबई, जयपुर, दिल्ली, काशी सहित अनेक आतंकी घटनाएं आज भी हमको विचलित करती हैं। सुरक्षाबलों को आधुनिक शस्त्र, बुलेट प्रूफ जैकेट, टेरर फंडिंग पर रोक हेतु नो मनी फॉर टेरर जैसे कड़े कदम , एफएटीएफ के माध्यम से वित्तीय दबाव के साथ सर्जिकल एवं बालाकोट एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का कार्य किया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में स्थापित आतंकी केंद्रों का सफाया एवं पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र को ध्वस्त किया। 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय कर देश की एकात्मता को सुदृढ़ किया है।

इस ऐतिहासिक दिन को देश ही नहीं सम्पूर्ण विश्व स्मरण करेगा जब हमने कहा कि 31 मार्च 2026 वामपंथ प्रेरित नक्सलवाद से हम मुक्त हो रहे हैं। 2024 में 126 जिले नक्सलवादी आतंक से युक्त थे । 2024 में ही केवल 290 नक्सली मारे गए। 1090 गिरफ्तार हुए। 881 ने आत्मसर्पण कर भारत की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प किया 7 अब बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की बयार बह रही है।

घुसपैठिये देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सुरक्षा के लिए खतरा एवं जनसांख्यिकी असंतुलन निर्माण कर रहे हैं । भारत सरकार ने इस संकट से उबरने के लिए डिटेक्ट , डिलीट , डिपोर्ट नीति के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की है। सीमा की निगरानी को सख्त किया है। बंगाल भाजपा विजय के पश्चात् बांग्लादेशी घुसपैठियों की बांग्लादेश की ओर वापसी की लाइन हम देख रहे हैं। 15,106 किलोमीटर सीमा सोती रेखा से जागती दीवार लक्ष्य में लेज़र वॉल, वाइब्रेशन सेंसर, नाइट विज़न कैमरा का उपयोग हो रहा है। सीमा सुरक्षा के लिए 49 त्न बजट वृद्धि कर 5597 करोड़ निर्धारित किया गया है।

अदृश्य युद्ध के माध्यम से भारत की साइबर सुरक्षा को चुनौती देने का कार्य भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। राज्यसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार भारत ने लगभग 54 लाख साइबर शिकायतों एवं 31594 करोड़ रुपयों के ठगी के प्रयासों का सामना करने में भारत सफल रहा। भारत सरकार ने 2024 में साइबर कमांडो व्यवस्था निर्माण का साइबर सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। डीसीवाईए (डिफेंस साइबर एजेंसी) एवं आई4सी के माध्यम से समन्वय कर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रयास हो रहा है । देश को नशामुक्त बनाने हेतु व आतंकवाद जैसी समस्याओं के आय के प्रमुख स्त्रोत ड्रग्स के गैर कानूनी व्यापार पर करारा प्रहार करते हुए लगातार उनको जब्त किया जा रहा है। 2024 में ही 25,330 करोड़ रुपये के ड्रग्स की जब्ती इस बात का पुख्ता प्रमाण है। सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान सीमावर्ती गाँव में बसे ग्रामीणों का रहता है। उनके मन में अपने प्रति उपेक्षा भाव न रहे इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2023 में कहा, ये अंतिम गाँव नहीं, भारत माँ के प्रथम गाँव है। वीवीपी (वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम) फेज 1 -2 के अंतर्गत 4121 गाँवों के विकास के लिए लगभग 11639 करोड़ का बजट निर्धारित किया है जिसके द्वारा मौसम अनुकूल सड़क (ऑल-वेदर रोड), सौर उर्जा, मोबाइल कनेक्टिविटी, शिक्षा स्वास्थ्य एवं पर्यटन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है।

अपने पंच प्रण के संकल्प में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था । इसका अनुपालन करते हुए ऑपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति एवं भारतीय स्वाभिमान में वृद्धि के अनेक प्रयास हुए हैं । आईपीसी, सीआरपीसी की धारायें अब भारतीय न्याय संहिता हो गई है। राजपथ अब कर्तव्यपथ, 7 रेस कोर्स रोड-7 लोक कल्याण मार्ग , प्रधानमंत्री कार्यालय - सेवा तीर्थ एवं राजभवन - लोकभवन हो गए हैं । सीडीएस की नियुक्ति ने तीनों सेनाओं में समन्वय किया है । नेवी का प्रतीक चिन्ह अब ब्रिटिश दासता का स्मरण नहीं छत्रपति शिवाजी का स्मरण कराता, तिरंगे में अष्टकोणीय चिन्ह के साथ शिवाजी की राजमुद्रा से अंकित एवं वेद मंत्र शं नो वरुणः एवं अशोक स्तम्भ का स्मरण कराता है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् सेना द्वारा आयोजित बीटिंग रिट्रीट (बीटिंग रिट्रीट) परेड में अब अंग्रेजी धुन नही प्रसिद्ध गायिका स्वर्गीय लता मंगेशकर द्वारा रचित देशभक्ति गीत ए मेरे वतन के लोगो ने स्थान ले लिया है। सेना में महिला सहभागिता, सैनिक स्कूलों में वृद्धि एवं अग्निवीर योजना से सुरक्षा तंत्र में समाज की सहभागिता बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ऐतिहासिक सुरक्षा के प्रति किए गए निर्णय सदैव स्मरण किए जाएंगे। राष्ट्र की संप्रभुता, आर्थिक विकास, शांति सभी के लिए सुरक्षा अनिवार्य शर्त है। भारत सुरक्षा के प्रति सजग रहते हुए 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य प्राप्ति में सफल हो, यह सभी नागरिकों का संकल्प बनना चाहिए।

(राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, भाजपा हैं)

विचार सरिता

सवाल-जवाब : भोग की चीजे वैसी सुंदर, निर्दोष व कल्याणकारी नहीं होतीं जैसी दिखाई देती हैं

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

आज की ज्ञानचर्चा में एक युवा साधक ने आचार्य सत्यव्रत से एक विशेष प्रश्न पूछा। यह प्रश्न उसके मन पर नियंत्रण से संबंधित था। विवेक उन प्रश्नों को आचार्य के समक्ष रखते गए और आचार्य उनका उत्तर देते गए-

जिज्ञासुः आचार्य जी, मेरा मन बार-बार भोगों की ओर भटकता है। जितना उनसे ध्यान हटाता हूँ, उतना ही चला जाता है। ऐसा क्यों होता है? भोगों से ध्यान हटाने हेतु क्या करना चाहिए? कृपया मार्गदर्शन कीजिए।

आचार्य सत्यव्रतः यह एक स्थापित तथ्य है कि हमारी इंद्रियाँ अपने-अपने विषय भोग को ग्रहण करती हैं। हमारा मन उन इंद्रियों के विषयों की ओर आकृष्ट हो जाता है।भोगों से ध्यान हटाने के लिए उसके वास्तविक स्वरूप को पहचानना आवश्यक है।

जिज्ञासुः इसका वही स्वरूप हम जानते हैं, जो दिखाई देता है। क्या इसका वास्तविक स्वरुप इससे अलग है?

आचार्य सत्यव्रतः हाँ! भोग की चीजें वैसी सुंदर और कल्याणकारी नहीं होतीं, जैसी दिखाई देती हैं। इस संबंध में मैं तुमसे एक प्रश्न पूछता हूं। क्या जिस भोग को तुम कामना और तीव्र इच्छा से ग्रहण करते हो, उसके ग्रहण करने से तुम्हें तृप्ति प्राप्त हो जाती है?

जिज्ञासुः क्षणिक रूप से, लेकिन फिर से उस भोग का विषय उपस्थित होने पर मन फिर उसे प्राप्त करना और उसका भोग करना चाहता है। अगर विषय उपस्थित ना हो, तो भी ध्यान उधर ही चला जाता है।

आचार्य सत्यव्रतः उचित है। भोगों से कभी तृप्ति नहीं होती है। इसकी अति भी घातक है। अगर मन इनके दुर्गुणों को जान जाएगा, तो इसके पीछे नहीं भागेगा।

जिज्ञासु : तो क्या भोगों का निषेध और पूर्ण दमन ही इसका उपाय है?

आचार्य सत्यव्रतः भोग की एक नियंत्रित मात्रा आवश्यक हो सकती है, जैसे अग्नि भोजन पका सकती है और घर को जलाकर राख भी कर सकती है, किंतु अन्य कार्यों को छोड़कर हमारे मन का उसी ओर खिंचे रहना गलत है। अगर वे ग्रहण करने योग्य हों तो हम इन्हें अपने लिए अनिवार्य बना देने से बचें और इन्हें सहज रूप में स्वीकार करें।

लघुकथा

//निर्मलता//

पहले हमें लोग कितना मानते थे जीजी! घाट पर आकर प्रतिदिन दीप जलाते, स्नान कर के अपने शरीर को शुद्ध करते; साथ ही साथ किनारे बैठ कर ठंडी-ठंडी पुरवाई का आनंद भी लेते थे। कितने अच्छे दिन थे....पैरी की आँखें भर आई।

हाँ! पैरी बहन दुख-सुख बाँटते, अब न पेड़ों की छाया न कोई इंसान। कूड़ादान बना रखा है हमें।

आप कैसी हैं जीजी...दोनों बहनों ने बड़ी जीजी से पूछने की हिम्मत जुटाई।

हाँ बहनों! मेरा भी यही हाल है, अब मेरे जल में स्नान करने लोग कभी-कभी ही आते हैं और उसके बाद भी लोग अपने-अपने घरों में या पास लगे नलकूपों से स्वयं को पुनः पवित्र करते हैं । इंसानों की सुविधाएं हमें और भी पीछे छोड़ती नजर आ रही हैं। चारों तरफ सूखा ही सूखा है। इतना कह कर? बड़ी जीजी का गला भर आया। ख़ैर छोड़ो.... लोग जैसे भी रहें लेकिन हमें अपनी अच्छाई नहीं छोड़नी चाहिए।

हमारा जल आज भी पवित्र है और कल भी रहेगा; उनके गंदगी फैलाने से हम गंदे नहीं हो जाएंगे, अभी भी लाखों जीव हमारे अंदर रह कर जीवन यापन कर रहे हैं, हमें उन पर भी ध्यान देना चाहिए न! क्या हुआ शहरों में गंदगी है तो...आगे जंगल-झरनों में तो हमारा जल पवित्र है ही। आज भी अमृत है। सदैव अच्छी सोच रखो बहनों। हाँ! जीजी लेकिन हमारी इतनी पतली धार में इन बेचारे नन्हे जीवों का जीवन खतरे में है इनका क्या करें? इतना बोलते ही जोरों की बारिश होने लगी। भगवान ने हमारी व्यथा सुन ली जीजी! फिर क्या.... महानदी, पैरी और सोंढूर तीनों बहनों की पतली धारा, मोटी धारा में बदल कर एक-दूसरे में समाहित होकर मुस्कुराते हुए मंजिल की तरफ प्रवाहित होने लगीं।

प्रिया देवांगन ''प्रियू''
राजिम
जिला - गरियाबंद
छत्तीसगढ़

सामयिक चर्चा

एक सार्थक प्रश्न

बानी बोले - ''आज सुनिए गजाधर!
एक बड़ी अद्‌भूत किन्तु सत्य खबर
''नीट की दोबारा परीक्षा होने तक
लाकडाउन में रहेंगे पेपर सेंटर ।
अब डिटेल पढ़ता हूँ -
नीट यूजी पेपर लीक विवाद के बाद
अब शिक्षा मंत्रालय और
नेशनल टेस्टिंग एजेंसी 21 जून को
होने वाली दोबारा परीक्षा के लिए
सुरक्षा का ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर रहे है
जो हाल के सालों में नहीं देखा गया है।
परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए
ऐसा इन्तिजाम किया गया है
कि पेपर सेट करने
उनकी माडरेशन करने,
और हिन्दी-अंग्रेजी सहित
अन्य भाषाओं में अनुवाद करने वाले,
सभी एक्सपर्ट्स को एक गुप्त
और बेहद सुरक्षित स्थान पर
लॉकडाउन याने स्ट्रिक्ट आईसोलेशन में
भेज दिया गया है।
तो ऐसे आईसोलेशन पर गजाधर!
आपके मन द्वारा क्या विचार किया गया हैं''
गजाधर मुस्कराए, बोले - ''बानी! देखो
इस जमाने में जब ईमानदारी नहीं रह गई है।
मनुष्यों में पैसे के प्रति आसक्ति
जब बेहिचक बढ़ गई है
फिर हम तो यही चिन्ता क प्रश्न करेंगे
कि कितनी प्रतियोगी परीक्षाओं से
संबंधित एक्सपर्ट्सों के लिए आप
'गुप्त जनवासा' बनाते रहेंगे?''
मंगलवार 9 जून 2026

गिरीश बख्शी

राशिफल

मेष

आज का दिन कुछ ऐसी बातों को लेकर आ सकता है जिन पर आप पिछले कुछ समय से मन ही मन विचार कर रहे थे। अच्छी बात यह है कि आज आप चीजों को लेकर पहले से ज्यादा स्पष्ट महसूस करेंगे। कोई फोन कॉल, संदेश या अचानक मिली जानकारी आपके दिन की योजना बदल सकती है। आज आपका रवैया काफी व्यावहारिक रहेगा।

वृष राशि

आज का दिन की शुरुआत थोड़ी सुस्त रह सकती है। सुबह उठते ही ऐसा लग सकता है कि कई जिम्मेदारियां आपका इंतजार कर रही हैं, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। हालांकि दिन के दूसरे हिस्से में स्थिति आपके पक्ष में होती दिखाई देगी। किसी पुराने संपर्क या परिचित से हुई बातचीत भी आपके काम आ सकती है।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए कुछ नई जानकारियां और दिलचस्प बातचीत लेकर आ सकता है। सुबह से ही आपका मन काफी सक्रिय रहेगा। कामकाज के क्षेत्र में किसी का फोन, संदेश या मुलाकात दिन की दिशा बदल सकती है। यदि आप किसी जवाब या निर्णय का इंतजार कर रहे हैं तो दोपहर के बाद उससे जुड़ी कोई खबर मिल सकती है।

कर्क

आज का दिन आपको थोड़ा भावुक बना सकता है। कोई पुरानी बात, पुराना वादा या किसी अपने से जुड़ी याद अचानक मन में आ सकती है। जरूरी नहीं कि इसकी कोई खास वजह हो, लेकिन आज मन बार-बार उन्हीं बातों की तरफ लौट सकता है जिन्हें आप पीछे छोड़ चुके थे। दोपहर तक कोई छोटी-सी चिंता आपको परेशान कर सकती है।

सिंह

सुबह से ही ऐसा लग सकता है कि लोग आपसे कुछ ज्यादा उम्मीद कर रहे हैं। किसी का फोन, कोई जिम्मेदारी या अचानक आया काम आपकी योजनाओं में बदलाव कर सकता है। किसी व्यक्ति की कही हुई बात पूरे दिन आपके दिमाग में घूम सकती है। हो सकता है उसने मजाक में कुछ कहा हो, लेकिन आप उसमें कोई गहरी बात ढूंढने लगें।

कन्या

आप किसी ऐसी बात पर ध्यान दे सकते हैं जिस पर बाकी लोगों की नजर शायद न जाए। आपकी यही आदत कई बार आपको दूसरों से अलग बनाती है। सुबह किसी छोटी-सी गलती या अधूरी जानकारी को देखकर उसे ठीक करने का मन करेगा। हालांकि हर चीज को अपने ऊपर लेने की जरूरत नहीं है।

तुला

आज का दिन लोगों के बीच रहकर भी अपने बारे में सोचने का दिन हो सकता है। सुबह किसी की बात सुनकर आप मुस्कुरा तो देंगे, लेकिन बाद में उसी बात के बारे में सोचते रह सकते हैं। आज आपका मन दूसरों की भावनाओं को जल्दी समझ सकता है। किसी पुराने दोस्त, रिश्तेदार या परिचित की याद अचानक आ सकती है।

वृश्चिक

आज का दिन कुछ अलग तरह का महसूस हो सकता है। सुबह किसी छोटी-सी बात पर आपका ध्यान अटक सकता है। हो सकता है किसी की कही हुई बात, कोई पुराना संदेश या अचानक सामने आई याद मन में हलचल पैदा कर दे। आज आप लोगों को ध्यान से देखेंगे, लेकिन अपनी बातें कम साझा करेंगे।

धनु

आज का दिन आपको किसी पुरानी योजना की याद दिला सकता है। हो सकता है कुछ समय पहले आपने किसी काम को लेकर बड़ा उत्साह दिखाया हो, लेकिन फिर रोजमर्रा की व्यस्तताओं में वह बात पीछे छूट गई। आज वही विषय दोबारा सामने आ सकता है और इस बार आप उसे थोड़ा गंभीरता से लेने का मन बना सकते हैं।

मकर

आपका ध्यान उन बातों पर जा सकता है जिन्हें बाकी लोग टाल रहे हैं। सुबह से ही मन किसी जरूरी काम को पूरा करने के मूड में रहेगा। हो सकता है आप खुद से ही कहें कि अब इसे और नहीं टालना चाहिए। जरूरी नहीं कि वह कोई बड़ी सलाह हो, लेकिन उसके शब्द आपके भीतर कुछ सोचने पर मजबूर कर सकते हैं।

कुंभ

आपका मन भीड़ में रहकर भी अपने विचारों में खोया रह सकता है। आज किसी बात को लेकर आपका नजरिया बाकी लोगों से अलग हो सकता है। जहां दूसरे लोग जल्दबाजी में राय बना लेंगे, वहीं आप पूरी बात समझने की कोशिश करेंगे। सुबह कोई छोटी-सी घटना या बातचीत आपको सोचने पर मजबूर कर सकती है।

मीन

आज का दिन आपके लिए थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। सुबह किसी पुराने गाने, तस्वीर या याद की वजह से मन कुछ देर अतीत में भटक सकता है। ऐसा नहीं है कि आप उदास रहेंगे, लेकिन बीती हुई कुछ बातें अचानक याद आ सकती हैं। कई बार मन बिना किसी खास वजह के भी पुरानी गलियों में घूम आता है।

लघुकथा

//अपने ही//

बयासी का अशोक और अस्सी की उम्र वाली वसुधा दोनों रिक्शे पर बैठे थे। वसुधा को पता तक नहीं था कि वे कहाँ जा रहे हैं। पति अशोक की तर आँखों को देख वसुधा ने पूछा-''आखिर हम लोग जा कहाँ रहे हैं? कुछ तो बोलो... और ये आँसू...?''अशोक-''चुप बैठी रहो न वसु। जान जाओगी भाई। लो, मैंने पोंछ लिया अपने आँसू।''वसुधा-''...तो बताने में क्या हर्ज है जी। अभी तक तो तुमने मुझसे कोई बात नहीं छुपाई।'' अशोक-''दरअसल हमने अपना वसुधा सदन छोड़ दिया है। अब हम कहीं और जगह रहेंगे।'' वसुधा- ''पर रो क्यों रहे हो ? और क्यों छोड़ना पड़ रहा है हमें अपना घर... कहाँ रहेंगे ?''दोनों बतिया ही रहे थे कि अचानक रिक्शा रूका। अशोक व वसुधा दोनों उतरे। तभी वसुधा की नजर पड़ी एक बोर्ड पर। लिखा था-ओल्ड एज होम। वसुधा अशोक के सीने से लग गयी। उसे सब समझ आ गया। रिक्शा मोड़ते हुए रिक्शेवाले से अशोक ने पूछा-''कितना लगेगा भाई...?'' रिक्शावाला-''मेरो को मिल गया है भाड़ा। आपके बड़े बेटे ने दे दिया है।''

टीकेश्वर सिन्हा ''गब्दीवाला''

अवैध प्लाटिंग विवाद-एडवर्ड (चिल्ड्रन) पार्क की जांच हेतु बनी उच्चस्तरीय जांच समिति

खैरागढ़ स्थित खसरा नंबर 167, 169 एवं 170 तथा नजूल प्लॉट नंबर 114 और 115 से जुड़े विवादित प्रकरण

खैरागढ़ (दावा)। इन दिनों अखबारों और सोशल मीडिया पर चर्चित एडवर्ड चिल्ड्रन पार्क की अवैध प्लाटिंग खुब सुर्खियों पर है। छोटे झाड़ के जंगल, घास भूमि और कथित अवैध प्लाटिंगसे जुड़े बहुचर्चित भूमिविवाद में आखिरकार प्रशासन को विस्तृत जांच के लिए उच्चस्तरीयसमिति गठित करनी पड़ी। पिछले कई महीनों से सामने आ रहे दस्तावेजों, शिकायतों, विभागीय प्रतिवेदनों और समाचार प्रकाशनों के बाद कलेक्टर कार्यालय ने पूरे मामले की सूक्ष्म जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल द्वारा जारी आदेश क्रमांक 3469/अ.कले./2026 दिनांक 8 जून 2026 के अनुसार नगर खैरागढ़ स्थित खसरा नंबर 167, 169 एवं 170 तथा नजूल प्लॉट नंबर 114 और 115 से जुड़े विवादित प्रकरण की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।। आदेश में स्पष्ट उल्लेख किया गया है,कि उक्त भूमि को लेकर लगातार समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हो रही हैं तथा विभिन्न व्यक्तियों द्वारा शिकायतें भी की जा रही हैं। इसके साथ ही आयुक्त स्तर से पूरे मामले की वास्तविक स्थिति की जानकारी मांगी गई है। इसी के मद्देनजर पूर्व में प्राप्त शिकायतों, नजूल शाखा के प्रतिवेदनों तथा अवैध प्लाटिंग संबंधी दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण कर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समिति गठित की गई है।

इन अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी पूरे प्रकरण की जांच के लिए

प्रशासन ने जिले के अनुभवी और महत्वपूर्ण अधिकारियों को समिति में शामिल किया है। समिति में अपर कलेक्टर को अध्यक्ष बनाया गया है।। नजूल अधिकारी सदस्य सचिव होंगे। एसडीएम खैरागढ़ एवं गंडई छुईखदान सदस्य रहेंगे। नगर तथा ग्राम निवेश विभाग राजनांदगांव के उप संचालक सदस्य होंगे। मुख्य नगर पालिका अधिकारी खैरागढ़ को भी शामिल किया गया है। जिला पंजीयक को सदस्य बनाया गया है। तहसीलदार खैरागढ़ समिति का हिस्सा रहेंगे। यानी पहली बार राजस्व, नजूल, नगर निवेश, नगर पालिका और पंजीयन विभाग एक ही मंच पर बैठकर पूरे प्रकरण की जांच करेंगे। एडवर्ड पार्क निजी संपत्ति तो 1948 की सूची में नाम क्यों नहीं रियासत विलय के दस्तावेजों ने बढ़ाई उलझन, भूमि विवाद में सामने आया नवा ऐतिहासिक सवाल अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय टीम करेगी जांच।

इन बिंदुओं पर होगी जांच

अब जांच केवल अवैध प्लाटिंग तक सीमित नहीं रहने वाली है।। समिति के सामने कई महत्वपूर्ण प्रश्न हैं - या खसरा नंबर 167, 169 और 170 वास्तव में शासकीय भूमि हैं? एडवर्ड चिल्ड्रन पार्क की मूल स्थिति या थी? मेंटेनेंस खसरे और मूल राजस्व अभिलेखों में अंतर यों दिखाई दे रहा है? 22 हिस्सों में भूमि विभाजन किस प्रक्रिया से हुआ? नगर एवं ग्राम निवेश विभाग की अनुमति ली गई थी या नहीं? रजिस्ट्रियां और नामांतरण किन दस्तावेजों के आधार पर हुए? या भूमि उपयोग परिवर्तन (लैंड यूज़ चेंज) की वैधानिक प्रक्रिया अपनाई गई थी? या सार्वजनिक उपयोग की भूमि निजी विक्रय की श्रेणी में पहुंच गई?

पहली बार एक साथ देखे जाएंगे सभी रिकॉर्ड

इस मामले में अब तक अलग अलग विभागों के दस्तावेज सामने आते रहे हैं। कहीं भूमि को एडवर्ड चिल्ड्रन पार्क बताया गया, कहीं छोटे झाड़ का जंगल, कहीं घास भूमि, तो कहीं निजी स्वामित्व वाली भूमि के रूप में उल्लेख मिलता है। विशेषज्ञों का मानना है,कि पहली बार सभी रिकॉर्ड नजूल अभिलेख, मूल राजस्व रिकॉर्ड, रियासतकालीन दस्तावेज, रजिस्ट्री, नामांतरण आदेश, नगर निवेश रिकॉर्ड और वर्तमान भूमि उपयोग-एक साथ जांच के दायरे में आएंगे।

कार्रवाई की दिशा तय करेगी रिपोर्ट

इस पूरे मामले में पहले ही नगर एवं ग्राम निवेश विभाग अवैध प्लाटिंग का उल्लेख कर चुका है। नजूल शाखा नगर पालिका को कार्रवाई के निर्देश दे चुकी है। राजस्व विभाग की संयुक्त जांच भी सामने आ चुकी है। अब गठित समिति की रिपोर्ट आगे की कार्रवाई की दिशा तय कर सकती है।।यदि जांच में अनियमितताएं पाई जाती हैं,तो मामला केवल अवैध प्लाटिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रजिस्ट्री, नामांतरण, भूमि उपयोग परिवर्तन और प्रशासनिक जवाबदेही तक पहुंच सकता है। करीब 85 हजार वर्गफीट भूमि की बिक्री, 22 हिस्सों में विभाजन, 40 करोड़ रुपए से अधिक के संभावित लेन-देन, एडवर्ड पार्क का विवाद, 1948 की निजी संपत्ति सूची और 1974 की रजिस्ट्री जैसे कई पहलू अब एक ही जांच के दायरे में आ गए हैं। खैरागढ़ में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह जांच वर्षों से चले आ रहे भूमि विवाद की सच्चाई सामने ला पाएगी या फिर यह मामला भी फाइलों में सिमटकर रह जाएगा। फिलहाल इतना तय है कि पहली बार प्रशासन ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए बहु-विभागीय जांच का रास्ता चुना है।

नगर के शासकीय उपाधि महाविद्यालय में बगैर रसीद के हो रही फीस वसूली

डोंगरगांव(दावा)। क्षेत्र के सबसे बड़े शासकीय उपाधि महाविद्यालयों में शुमार डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने बगैर रसीद के फीस वसूली पर सवाल उठाए हैं. प्राईवेट छात्र-छात्राओं में ऑनलाईन फीस के बाद महाविद्यालय प्रबंधन व्दारा लिए जा रहे बगैर रसीद के अतिरिक्त फीस को लेकर दबी जुबान से चर्चा का विषय बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार डोंगरगांव का यह महाविद्यालय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग से संबद्ध है, जहाँ से स्वाध्यायी विद्यार्थियों को वेबसाईट में निर्धारित फीस जमा किया जाना है, वहीं विश्वविद्यालय से जारी अधिसूचना के अनुसार अमहाविद्यालयीन परीक्षार्थियों के लिए एनईपी के तहत प्रत्येक विषय के सेमेस्टर के अनुसार 330 से 480 रूपये तक अतिरिक्त फीस महाविद्यालय में ही जमा किया जाना है, जिसे जमा भी किया जा रहा है लेकिन राशि जमा होने के बाद विद्यार्थियों को जमा रसीद नहीं दी जा रही है. इस विषय को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.ए.के.धमगाए ने बताया कि अधिसूचना के अनुसार विद्यार्थियों से फीस लिया जा रहा है, जिसमें अग्रेषण शुल्क, संकाय के अनुसार शुल्क और प्रायोगिक शुल्क शामिल हैं और इसके लिए सूचना पटल पर भी चस्पा किया गया है. वहीं इसकी रसीद की व्यवस्था नहीं हो पायी थी, शीघ्र ही विद्यार्थियों को रसीद भी प्रदाय किया जायेगा।

मोहड़ में श्रमदान से हुआ स्वच्छता अभियान

डोंगरगांव (दावा)। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 09 जून मंगलवार को ग्राम पंचायत मोहड़ के बाजार क्षेत्र व गांव के समस्त तालाब में फैली गंदगी को देखते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया. इस अभियान में गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया, इस दौरान मुख्य रूप से उपसरपंच अंकुश देवांगन सहित पंचगण रुक्मणि देवांगन, उमा साहू, पेमिन बाई, ललिता सहारे, ललती, कांति, झामिन बाई, प्रेम बाई, रेशमी व रोजगार सहायक, स्वच्छता दीदी के साथ अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वच्छ भारत(मिशन)के अंतर्गत स्वच्छता अभियान सभी के सहयोग से यह अभियान सफल रहा तथा ग्राम को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया।

आजादी के दशकों बाद भी सड़क से वंचित दक्कोटोला

श्रमदान के माध्यम से सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया गया

अंबागढ़ चौकी (दावा)। विकास के दावों और सरकारी योजनाओं के बावजूद ग्राम पंचायत खुर्सीटीकुल के आश्रित ग्राम दक्कोटोला आज भी पक्की सड़क जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित है। वर्षों से सड़क निर्माण की मांग किए जाने के बाद भी जब कोई समाधान नहीं निकला, तब ग्रामीणों ने स्वयं चंदा एकत्रित कर श्रमदान के माध्यम से सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया। दक्को टोला के ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की मांग को लेकर वे लंबे समय से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखते रहे हैं। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर पूर्व में चुनाव बहिष्कार जैसा बड़ा कदम भी उठाया था, ताकि शासन-प्रशासन का ध्यान उनकी समस्या की ओर आकर्षित हो सके। इसके बावजूद गांव तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। कीचड़ और उबड़-खाबड़ रास्तों के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों, गर्भवती महिलाओं तथा किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में लोगों को पैदल या वैकल्पिक साधनों से आवागमन करना पड़ता है। जब बार-बार की मांग और शिकायतों के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं हुई, तब ग्रामीणों ने स्वयं आगे आने का निर्णय लिया। गांव के प्रत्येक परिवार ने लगभग 500 रुपये का आर्थिक योगदान दिया और सामूहिक श्रमदान के माध्यम से सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया। गांव के पुरुष, महिलाएं और युवा मिलकर कुदाल, फावड़ा और अन्य उपकरणों से सड़क को समतल एवं आवागमन योग्य बनाने में जुटे हुए हैं।

ग्रामीणों का यह प्रयास उनकी एकजुटता और आत्मनिर्भरता का उदाहरण है, वहीं यह क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं और विकास कार्यों की धीमी गति की ओर भी संकेत करता है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अस्थायी रूप से रास्ते को सुधार रहे हैं, लेकिन स्थायी समाधान केवल पक्की सड़क निर्माण से ही संभव है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि दक्कोटोला के लिए शीघ्र पक्की सड़क स्वीकृत कर निर्माण कराया जाए, ताकि वर्षों पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान हो सके और ग्रामीणों को बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष न करना पड़े।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा

0 मानसून तैयारियों को लेकर अलर्ट प्रशासन, सभी तहसीलों में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश,
0 सुशासन तिहार के आवेदनों के शीघ्र निराकरण और हितग्राहीमूलक योजनाओं की सतत मॉनिटरिंग पर जोर

खैरागढ़(दावा)। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा शासन की योजनाओं का लाभ समय पर पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए। बैठक में आगामी मानसून को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पूर्व तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई।। कलेक्टर ने सभी विभागों को संभावित बाढ़, अतिवृष्टि, आकाशीय बिजली, जलभराव एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए।। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी रखी जाए।

कलेक्टर ने जिले की सभी तहसीलों में आपदा नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की जाए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सूचना प्राप्त हो सके और तत्काल कार्रवाई की जा सके।। उन्होंने कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा मानसून पूर्व की गई तैयारियों का विस्तृत प्रतिवेदन अगली बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्यों में आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए। सुशासन तिहार-2026 की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रेम कुमार पटेल ने बताया कि जिले में मांग एवं शिकायत संबंधी लगभग 26 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं।। इनमें से 22 हजार आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि की जा चुकी है तथा शेष आवेदनों की एंट्री शीघ्र पूर्ण की जा रही है। कलेक्टर ने लंबित आवेदनों की प्रविष्टि एवं निराकरण में तेजी लाने तथा गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत कार्ड निर्माण, धान उठाव, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, गौधाम योजना, समग्र शिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना तथा जल संरक्षण के लिए संचालित कैच द रेन अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई।। संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं से संबंधित लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि नागरिकों को निर्धारित अवधि में सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।।उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता, जवाबदेही और समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।। बैठक में अपर कलेक्टर सुरेंद्र कुमार ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर सुमन राज सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में संगठन विस्तार पर मंथन

औंधी (दावा)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप वर्मा ने औंधी मंडल में भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक लेकर संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में मंडल पदाधिकारी, बूथ स्तर के कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष दिलीप वर्मा ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने तथा लाभार्थियों से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण, आगामी राजनीतिक गतिविधियों तथा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। जिलाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया।

सुशासन तिहार में पहुंची सरकार, लेकिन सड़क ने खोल दी विकास की पोल- चुम्मन

गड्ढों से भरी सड़क पर चलकर अधिकारी सुशासन का संदेश दे रहे थे, यह जनता के साथ मजाक है

छुरिया(दावा)। गोपालपुर में आयोजित सुशासन तिहार को लेकर कांग्रेस नेता चुम्मन साहू ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस सड़क से होकर जिला कलेक्टर, अधिकारी और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में पहुंचे, उसकी बदहाल स्थिति ने सरकार के विकास और सुशासन के दावों की पोल खोल दी है। चुम्मन साहू ने कहा, 'गोपालपुर में सुशासन तिहार नहीं, बल्कि कुशासन की तस्वीर दिखाई दी। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, डामर उखड़ चुका है और लोग रोज दुर्घटना का खतरा उठाकर आवागमन करने को मजबूर हैं। ऐसे में सरकार का सुशासन का दावा सिर्फ दिखावा साबित हो रहा है।'

उन्होंने सवाल उठाया कि 'जब प्रशासन को पहले से पता था कि यहां सुशासन तिहार का आयोजन होना है और जिला कलेक्टर सहित कई अधिकारी पहुंचेंगे, तब संबंधित विभाग ने सड़क की मरम्मत क्यों नहीं कराई? क्या अधिकारियों को सिर्फ कार्यक्रम स्थल तक पहुंचना था या जनता की समस्याएं भी देखनी थीं?'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि 'भाजपा सरकार इवेंट और प्रचार में व्यस्त है, जबकि गांवों की बुनियादी समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गोपालपुर की यह सड़क विकास के दावों की असलियत बता रही है।' उन्होंने मांग की कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। जनता अब भाषण और घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होगी। जनता को अच्छी सड़क, मूलभूत सुविधाएं और जवाबदेह प्रशासन चाहिए।

सीनियर प्राध्यापक के रहते जूनियर को बनाया गया प्रभारी प्राचार्य

महाविद्यालय में स्थानीय प्राध्यापको की आपसी खींचतान में पिस रहा विद्यार्थियों का भविष्य - अमन बृज नामदेव

डोंगरगढ़(दावा)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय इन दिनों शिक्षा का मंदिर कम और आपसी विवाद का अखाड़ा ज्यादा नजर आ रहा है। महाविद्यालय में पदस्थ स्थानीय प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक और संविदा कर्मियों के बीच चल रही आपसी खींचतान, गुटबाजी और अंदरूनी विवाद के कारण कॉलेज का शैक्षणिक माहौल पूरी तरह से दूषित हो चुका है। इसका सीधा और भारी नुकसान यहां पढ़ने वाले आम छात्र-छात्राओं को उठाना पड़ रहा है।

स्थाई प्राचार्य का न होना मूल कारण

विगत कुछ वर्षों से महाविद्यालय में स्थाई प्राचार्य की नियुक्ति नहीं हुई है। स्थाई प्रशासनिक प्रमुख न होने के कारण व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। अनुशासन का नामोनिशान नहीं है और निरंतर कॉलेज का शैक्षणिक स्तर गिरता जा रहा है। प्रभारी व्यवस्था के भरोसे चल रहे इस संस्थान में कोई भी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। जिसके चलते कॉलेज का ग्राफ लगातार नीचे गिर रहा है महाविद्यालय के गिरते स्तर और छात्रों के भविष्य से हो रहे इस खिलवाड़ को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छत्तीसगढ़ के प्रदेश सहमन्त्री राजनांदगांव विभाग संयोजक अमन नामदेव ने कहा कि शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक तरफ छात्र अपने भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं, वहीं दूसरी तरफ कॉलेज के कुछ स्थानीय प्राध्यापक और संविदा शिक्षक अपनी आपसी गुटबाजी और लड़ाई में व्यस्त हैं।

पीजीडीसीए के छात्रों के परीक्षा परिणाम में त्रुटियां

महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में बदहाली का आलम यह है कि कुछ दिनों पूर्व ही पीजीडीसीए के छात्रों के परीक्षा परिणाम में त्रुटियां देखने को मिली हैं जिससे छात्रों का साल दांव पर लग गया है।

यूजीसी की गाइडलाइंस का सरेआम उल्लंघनः एक जूनियर को प्रभारी प्राचार्य का प्रभार

शासकीय लापरवाही यहीं नहीं रुकती वर्तमान में कॉलेज में सीनियर प्राध्यापक उपलब्ध होने के बावजूद, यूजीसी की गाइडलाइंस का सरेआम उल्लंघन करते हुए एक जूनियर को प्राचार्य का प्रभार सौंप दिया गया है। ठीक ऐसा ही घटनाक्रम वर्ष 2023 में भी हुआ था जब सीनियर डॉ ई व्ही रेवती के रहते हुए जूनियर डॉ प्रदीप जांबूलकर को प्रभार दे दिया गया था। हालांकि बाद में उच्च शिक्षा विभाग को अपना आदेश सुधारना पड़ा और वरिष्ठता के आधार पर रेवती मैडम को प्रभार सौंपा गया। वर्तमान में उसी 2023 वाले गलत घटनाक्रम की पुनरावृत्ति की जा रही है जो उच्च शिक्षा विभाग की पूरी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

0 छात्रों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ विद्यार्थी परिषद किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी

स्थानीय प्राध्यापकों अतिथि व्याख्याताओं और अन्य शिक्षकों के बीच जारी इस पूरे घटनाक्रम और खींचतान को देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी फिल्म की पटकथा (स्क्रिप्ट) चल रही हो जो मन को व्यथित करने वाली है। पिछले कुछ वर्षों से स्थाई प्राचार्य की अनुपस्थिति ने इस अव्यवस्था को और ज्यादा बढ़ा दिया है। अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है। छात्रों के भविष्य के साथ यह खिलवाड़ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

पहला कॉलम...

वैश्विक तनावों के बीच चांदी 2.6 प्रतिशत फिसली, सोना 1.3 प्रतिशत गिरा

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू कमोडिटी बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार में कमजोरी के बीच कीमती धातुओं में भी तेज बिकवाली देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोमवार को सोना और चांदी, दोनों के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। खासतौर पर चांदी की कीमतों में आई तेज गिरावट ने निवेशकों का ध्यान खींचा, क्योंकि इसका भाव ढाई लाख रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे पहुंच गया। एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव सोमवार को कारोबार शुरू होते ही तेज गिरावट के साथ 2,41,990 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,48,537 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी, यानी एक ही दिन में चांदी की कीमत में 6,500 रुपए से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

आज एमसीएक्स सिल्वर जुलाई वायदा 2,51,001 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला और यही दिन का उच्च स्तर रहा, वहीं दिन के कारोबार में गिरकर 2,39,064 रुपए का दिन का निम्नतम स्तर छुआ। हालांकि खबर लिखे जाने तक (दोपहर 12.17 बजे के करीब) यह चांदी 6,512 रुपए यानी 2.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,42,025 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती हुई नजर आई। वहीं, अगर जून महीने की शुरुआत से अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालें तो चांदी में करीब 24,000 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट आ चुकी है। महीने की शुरुआत में इसका भाव 2,66,163 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास था, जो अब काफी नीचे आ चुका है। इससे स्पष्ट है कि जून का महीना अब तक चांदी के लिए दबाव भरा रहा है।

फिलीपींस के बाद क्यूबा में 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

हवाना। पिछले कुछ घटों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस हो रहे हैं। रविवार शाम भूटान में और सोमवार सुबह फिलीपींस में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। वहीं, अब सोमवार देर रात क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट पर 6.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया।

भूकंप के झटके न सिर्फ क्यूबा, बल्कि मेक्सिको का कैनकन और अमरीका का फ्लोरिडा तक महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र क्यूबा के मंटुआ से 104 किलोमीटर दूर मात्र 26 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र क्यूबा के मंटुआ से 104 किलोमीटर दूर मात्र 26 किलोमीटर की गहराई पर था। सोमवार देर रात क्यूबा के नॉर्थ-वेस्ट तट पर तेज भूकंप आया, जिससे क्यूबा, मेक्सिको और फ्लोरिडा के वे हिस्से हिल गए जहां आमतौर पर भूकंप नहीं आते। इसलिए लोगों में भारी दहशत फैल गई और कैनकन सहित कई शहरों में आनन-फानन में इमारतें खाली करानी पड़ीं। हालांकि, शुरुआती रिपोर्टों में किसी बड़े नुकसान या जानमाल की हानि की खबर नहीं है और न ही कोई सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। क्यूबा में दशकों से चल रहे आर्थिक संकट की वजह से इमारतें बहुत खराब हो गई हैं और भूकंप के लिए कमजोर हो गई हैं। पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर चल रहे ब्लैकआउट की वजह से इलाके में कम्युनिकेशन मुश्किल हो गया है। पश्चिमी क्यूबा के पिनार डेल रियो में अपने घर पर 44 साल की युस्मिला हर्नांडेज ने कहा, ÷यह बहुत तेज महसूस हुआ। मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया था।

भारतीय शेयर बाजार : सेंसेक्स में 400 से ज्यादा अंकों की बढ़त

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों पर अस्थायी विराम के बीच वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों के चलते हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में खुला। इस बीच, घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 में 0.50 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,524.26 की तुलना में 511.15 अंक उछलकर 74,035.41 पर खुला, तो वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,123 से 136.05 अंक चढ़कर 23,259.05 पर खुला। खबर लिखे जाने तक (सुबह 9.33 बजे के करीब) सेंसेक्स 409.79 अंकों यानी 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,934.05 पर ट्रेड कर रहा था, तो वहीं निफ्टी 122.15 (0.53 प्रतिशत) की तेजी के साथ 23,245.15 पर कारोबार करता नजर आया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 1.09 प्रतिशत और 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए।वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी बैंक में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी फार्मा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल और निफ्टी ऑयल एंड गैस भी बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए। वहीं, निफ्टी आईटी में गिरावट आई।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के घर में 1-0 से जीती वनडे सीरीज, किंग्स्टन में लगातार दूसरा मैच बारिश से धुला

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज व श्रीलंका का किंग्स्टन में लगातार दूसरे वनडे में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच तीसरा और आखिरी वनडे बिना एक भी गेंद फेंके रद हो गया। इस वजह से श्रीलंका ने सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली।

पहला मैच श्रीलंका ने 41 रन से जीता था। अंपायरों ने कई बार मैदान का निरीक्षण किया, लेकिन बारिश की वजह से तीसरा वनडे मैच भी बिना कोई गेंद खेले ही रद किया गया। बारिश ने तीसरे वनडे मैच में खलल डाला, लेकिन श्रीलंकाई टीम ने वेस्टइंडीज पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-0 से अपने नाम की और ये 23 साल बाद हुआ, जब उन्होंने वेस्टइंडीज में कोई वनडे सीरीज जीती है। आखिरी बार 2003 में उन्होंने वनडे सीरीज यहां जीती थी।

नए हेड कोच गैरी कर्स्टन और नए वनडे कप्तान कुसल मेंडिस के लिए ये अच्छी शुरुआत है। मेंडिस ने कहा, ÷सीरीज जीतकर बहुत खुश हूं। हमने पहले मैच में तीनों डिपार्टमेंट में अच्छा किया। अगले साल वर्ल्ड कप से पहले ज्यादा मैच नहीं हैं। कप्तान के तौर पर पहली सीरीज जीत से खुश हूं। स्टाफ का भी सपोर्ट मिला।÷

वेस्टइंडीज की टीम के लिए ये वनडे सीरीज गंवाना बेहद ही निराशाजनक रहा, क्योंकि पहले वनडे मैच में मिली हार का बदला लेने का उन्हें तो मौका ही नहीं मिला। तीन साल में घर पर ये उनकी पहली सीरीज हार है।

सबसे बड़ी बात ये है कि 2027 वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालिफाई करने के जरूरी रैंकिंग प्वाइंट्स भी नहीं मिले। वेस्टइंडीज अभी वनडे रैंकिंग में 10वें नंबर पर है और टॉप-8 में आने वाली टीमें सीधे वर्ल्ड कप खेलेंगी। अब वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड और भारत से वनडे सीरीज खेलनी है। श्रीलंका और वेस्टइंडीज की टीमें टी20 पर फोकस करेंगी।

18 साल में पहली बार! विराट कोहली पूरी ODI सीरीज से हुए बाहर

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने वाला है। सीरीज का पहला मैच धर्मशाला के स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीरीज से पहले ही टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लग चुका है। हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से विराट इस वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है। विराट अपने 18 साल के करियर में काफी कम बार चोट की वजह से मैच मिस किया है। इससे पहले विराट आखिरी बार कब चोट की वजह से वनडे मैच से बाहर हुए थे आइए आपको बताते हैं।

अफगानिस्तान सीरीज से पहले विराट कोहली पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से फिटनेस की वजह से एक भी मैच से बाहर नहीं हुए थे। विराट को फिटनेस से जुड़ी आखिरी दिक्कत फरवरी 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले, इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान हुई थी। नागपुर में खेले गए वनडे मैच में विराट घुटने की चोट के कारण प्लेइंग ङ्गढ्ढ से बाहर हुए थे। उनकी वो चोट ज्यादा गंभीर नहीं थी इसलिए वह दूसरे वनडे में वापसी करने में कमायाब रहे थे।

क्या रोहित शर्मा खेलेंगे अफगानिस्तान के खिलाफ?

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच ढाई दिन में खत्म हो गया। अब दोनों टीमों के बीच ODI सीरीज खेली जाएगी, जिसका 13 जून से आगाज होगा। 3 मैचों की ODI सीरीज से पहले बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को अफगानिस्तान के खिलाफ हृछ्ढ सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उनका खेलना फिटनेस पर निर्भर था। अब रोहित की फिटनेस को लेकर बड़ी खबर सामने आई है।

रोहित शर्मा ने बेंगलुरु स्थित क्रष्ष्ट्ढ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। इस तरह उनका अफगानिस्तान के खिलाफ खेलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आधिकारिक क्लीयरेंस मिलने में एक दिन का समय लगने की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्र ने क्कञ्जढ्ढ को बताया कि पूर्व कप्तान रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग की हल्की तकलीफ की जांच के लिए ष्टशश्व में थे और जांच के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है। फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद रोहित के जल्द टीम से जुड़ने की उम्मीद है। रोहित के साथ ही हार्दिक पांड्या को भी हृछ्ढ सीरीज के लिए क्लीन चिट मिल गई है।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा ढ्ढक्करु 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे। यही वजह है कि वह मुंबई इंडियंस के लिए 5 मैच नहीं खेल पाए थे। हालांकि, उन्होंने वापसी की लेकिन सिर्फ एक ही मैच में बड़ी पारी खेला पाए। सीजन के आखिरी मैच में रोहित अपना खाता भी नहीं खोल पाए। अब करीब तीन हफ्ते के बाद रोहित मैदान पर वापसी करते नजर आएंगे। भारत और अफगानिस्तान के बीच हृछ्ढ सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ हृछ्ढ सीरीज के लिए भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

अफगानिस्तान का स्क्वाड- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले टीम इंडिया का स्क्वाड अचानक बदला, बीसीसीआई ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम जल्द ही आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे पर जाने वाली है। पहले टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान अभी कुछ ही दिन पहले किया गया है, लेकिन अचानक से स्क्वाड में बदलाव हो गया है। बीसीसीआई की ओर से इसकी घोषणा की गई है। जानकारी मिली है कि इस दौरे से मोहम्मद सिराज बाहर हो गए हैं और उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया है।

इस वक्त अफगानिस्तान की टीम भारत के दौरे पर है। एक टेस्ट मैच हो गया है, जिसे भारतीय टीम ने पारी और 300 रन से जीत लिया है। इसके बाद अब अफगानिस्तान के ही खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जानी है। सीरीज का पहला मुकाबला 13 जून को खेला जाएगा। इस वनडे सीरीज के बाद भारतीय टीम आयरलैंड जाएंगी, जहां दो मैचों की टी20 सीरीज होगी। इसके बाद टीम सीधे इंग्लैंड चली जाएगी, जहां पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। अब इसी आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 सीरीज के लिए टीम में बदलाव की जानकारी बीसीसीआई ने दी है।

बीसीसीआई की ओर से कहा गया है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली ञ्20ढ्ढ सीरीज के लिए भारतीय टीम का अब हिस्सा नहीं है। वे अब बाहर हो गए हैं। जानकारी दी गई है कि क्रष्ष्ट्ढ की मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट के बीच बातचीत के बाद मोहम्मद सिराज को उनके वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम की सलाह दी गई है। यह फ़सला लंबे इंटरनेशनल सीजन से पहले पूरी तरह ठीक होने के लिए सावधानी के तौर पर लिया गया है।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में खूनी खेल, 150 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों के बीच खूनी संघर्ष में 150 से ज्यादा लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने प्रदर्शनकारियों को दौड़-दौड़ाकर गोली मारी, जिसमें अब तक कई लोगों की मौत हुई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हैं। इस घटना के बाद से क्षश्य में तनाव बढ़ गया है। इलाके में हो रहे प्रदर्शन की अगुवाई करने वाली जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी का आरोप है कि सेना ने रावलकोट में एक जनाजे में शामिल लोगों पर फायरिंग की है।

बताया जा रहा है कि शाहजेब के जनाजे में शामिल लोग पाकिस्तानी सेना और शहबाज सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे, तभी सुरक्षाबलों ने गोलीबारी शुरू कर दी। कमेटी का आरोप है कि सुरक्षाबलों ने मारे गए प्रदर्शनकारियों के शवों को अपने साथ ले गए।

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने आज बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी थी उससे पहले सेना ने 27 लोगों को गोली मार दी। खबर ये भी है की एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज़ मीर को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए हैं। क्योंकि शौकत नवाज़ ने शहबाज सरकार के खिलाफ आज बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। इस घटना के बाद लोगों के बीच भारी गुस्सा है।

बेन स्टोक्स से छीनी जाएगी इंग्लैंड की टेस्ट कप्तानी?

नाइटक्लब विवाद के बाद ECB की जांच शुरू; एटकिंसन भी फंसे

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड टीम की तैयारियों को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन के खिलाफ टीम प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है।

ईसीबी ने मंगलवार को कहा, दोनों खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की समाप्ति के बाद सोमवार तड़के एक नाइट क्लब में मौजूद थे। बोर्ड फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रहा है और अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि ईसीबी ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि नाइट क्लब में वास्तव में क्या हुआ था और कथित उल्लंघन की प्रकृति क्या है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो पाएगी।

माना जा रहा है कि दोषी पाए जाने पर दोनों को दूसरे टेस्ट से बाहर किया जा सकता है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट 17 जून से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। ईसीबी ने कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच समाप्त होने के बाद टीम प्रोटोकाल के उल्लंघन की जांच की जा रही है। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार सुबह तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां यह घटना हुई। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने तक किसी तरह का फैसला नहीं लिया जाएगा। साथ ही दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा भी बाद में की जाएगी। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब इंग्लैंड ने लार्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड को 115 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई है।

टीम के कप्तान स्टोक्स और तेज गेंदबाज एटकिंसन इस जीत के प्रमुख नायकों में शामिल थे। विशेष रूप से एटकिंसन ने पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट लिए थे और इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों की संभावित अनुपस्थिति दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड के लिए चिंता का विषय बन सकती है।

कैबिनेट की बैठक: धान की जगह दूसरी फसल....

0 नवा रायपुर में स्टाम्प ड्यूटी छूट बढ़ी: नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को आपसी सहमति से भूमि खरीद पर दी जा रही स्टाम्प ड्यूटी छूट का समय 31 मार्च 2028 तक बढ़ा दिया गया है। सरकार का कहना है कि इससे भूमि अधिग्रहण और विकास कार्यों में तेज आएगी।

0 खनिज परिवहन में RFID और ट्रैकिंग अनिवार्यः कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन और भण्डारण) नियम 2009 में संशोधन को मंजूरी दी है। अब खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में RFID टैग और वाहन ट्रैकिंग सिस्टम अनिवार्य होगा। साथ ही खनिजों की ग्रेडिंग और मात्रा निर्धारण के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। राजस्व में वृद्धि होगी। सरकार का मानना है कि, इन फैसलों से कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा। सार्वजनिक परिवहन मजबूत होगा। खनन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। वहीं किसानों, उपभोक्ताओं और शहरी नागरिकों को भी सीधे तौर पर लाभ मिलने की उम्मीद है।

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को....

कीं लेकिन चूंकि उनके नामांकन फॉर्म में गंभीर खामियां थीं और तेलंगाना में दर्ज एक मामले को कथित तौर पर छिपाया गया था, इसलिए रिटर्निंग ऑफिसर ने इसी आधार पर उनका नामांकन खारिज कर दिया। इसलिए, अब हम कह सकते हैं कि सच्चाई और ईमानदारी की जीत हुई है।

0 तेलंगाना की अदालत में मामला लंबित: कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन पर बीजेपी के वकील संकेत गुप्ता ने कहा, बीजेपी उम्मीदवार ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन फॉर्म के खिलाफ अपील दायर की है। उनका आरोप है कि उन्होंने अपना हलफनामा गलत तरीके से जमा किया है। हलफनामे के मुताबिक, तेलंगाना की अदालत में एक मामला लंबित है। उन पर एक आपराधिक मामला चल रहा है और आरोप है कि उन्होंने अपने हलफनामे में इस मामले को छिपाया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

0 विधायकों को बेंगलुरू भेज रही कांग्रेस: मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर सियासी हलचल काफी तेज थी। भाजपा उम्मीदवार महेश केवट के नामांकन के बाद क्रॉस वोटिंग की आशंका के चलते कांग्रेस ने अपने सभी 62 विधायकों को बेंगलुरु शिफ्ट करने का फैसला लिया था। सोमवार को कांग्रेस ने विधायकों को विशेष विमान बुक किया था। भीड़ बढ़ने और सीटों की समस्या के कारण कुछ विधायकों को दूसरी फ्लाइट से बेंगलुरु भेजा जाना था। इसके पहले ही कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त हो गया।

फ्रांस और स्लोवाकिया के दौरे.....

ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में नई साझेदारियों, संतुलित आर्थिक विकास और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित एवं कुशल उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। वे वहां मौजूद विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में 18 जून को पीएम मोदी पेरिस पहुंचेंगे। वहां वे यूरोप के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इवेंट विवाटेक समिट को संबोधित करेंगे। अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री पेरिस में रह रहे भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी संवाद करेंगे। यह दौरा भारत की डिजिटल क्रांति और नवाचार की क्षमता को वैश्विक पटल पर मजबूती से प्रस्तुत करेगा।

टीएमसी की बढ़ीं मुश्किलें: फर्जी हस्ताक्षर....

ने अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर हल्के विरोध की स्थिति के बावजूद परिसर में प्रवेश कर लिया। कालीघाट थाने के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और सुरक्षा कर्मियों से बहस करते नजर आए। अधिकारियों ने उन्हें जांच में बाधा न डालने को कहा। सूत्रों के अनुसार, इसके बाद सीआईडी टीम ने पार्टी कार्यालय परिसर में प्रवेश कर जांच और दस्तावेजों की पड़ताल शुरू की। इसी मामले में सीआईडी की एक अन्य टीम ने कोलकाता के कैमैक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में भी तलाशी ली। यह टीएमसी के 28 साल के इतिहास का सबसे बड़ा अंदरूनी संकट माना जा रहा है। विवाद तब शुरू हुआ, जब विधानसभा अध्यक्ष को भेजे गए एक प्रस्ताव में वरिष्ठ टीएमसी विधायक सोवनदेव चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने की सिफारिश की गई थी। लेकिन उस पर कई विधायकों के हस्ताक्षर फर्जी बताए गए। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज हुई और सीआईडी जांच शुरू की गई। यह संकट विधानसभा चुनाव के बाद नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर शुरू हुई अंदरूनी खींचतान से जुड़ा है। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब टीएमसी के 80 में से 58 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ जाकर बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी का समर्थन किया। पिछले हफ्ते हुए घटनाक्रम में इस गुट ने विधानसभा में पार्टी पर नियंत्रण हासिल कर लिया,ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष चुना और विधानसभा अध्यक्ष से मान्यता भी प्राप्त कर ली, जिससे टीएमसी में पहली बार आधिकारिक विभाजन की स्थिति बन गई।

जयपुर की अवैध पटाखा गोदाम.....

परिसर के अंदर रखे ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग लगी हो सकती है। उन्होंने कहा, घर में कुछ ज्वलनशील पदार्थ था, जबकि आग लगने का सही कारण विस्तृत जांच के बाद ही पता चलेगा। वहीं पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि यह घर एक गोदाम था, जो रिहायशी इलाके में अवैध रूप से चल रहा था और पास ही एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी थी। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया, यह एक स्टोरेज फैसिलिटी लगती है। फोरेंसिक जांच से पुष्टि होगी कि गोदाम में रखे गए पदार्थ पटाखे थे या नहीं। उन्होंने कहा कि मालिक और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि आग लगने से पहले धमाके की आवाज सुनाई दी और स्थानीय लोगों ने मजदूरों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, एक पानी का टैंकर बुलाया गया और हमने होज पाइप के साथ अंदर जाने की कोशिश की। हम तीन-चार लोगों को बाहर निकालने में कामयाब रहे और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। गोदाम के बगल में रहने वाले एक और निवासी, लियाकत ने बताया कि आग की लपटों के पूरे परिसर को अपनी चपेट में लेने से ठीक पहले उन्होंने सिलेंडर फटने जैसा धमाका सुना। उन्होंने बताया कि जले हुए मलबे से आतिशबाजी के एक ब्रांड के नाम वाला रैपर मिला है, जिससे पता चलता है कि घर के अंदर बड़ी मात्रा में सामान मौजूद था।

रंगदारी मामले में गिरफ्तार....

गौरतलब है कि जहांगीर खान ने हाल ही में 21 मई को हुए फलता विधानसभा उपचुनाव में अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा कर दी थी, इसके बावजूद वे चुनावी मैदान में चौथे स्थान पर रहे थे। अब कानूनी शिकंजे में फंसे टीएमसी नेता की मुश्किलें जांच बढ़ने के साथ और बढ़ सकती हैं।

सीएम योगी बोले- राम से द्रोह करने....

को जीवन का हिस्सा बनाया है। मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है। सीएम ने कहा कि 491 वर्ष तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन चलता रहा। 2019 में सर्वोच्च न्यायालय की फुल बेंच के न्यायमूर्तियों ने अपने फैसले में कहा कि जहां रामलला विराजमान हैं, वहीं रामजन्मभूमि है। इसे लेकर साक्ष्य-प्रमाण और विद्वानों के वक्तव्य भी दिए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायमूर्ति ने स्वामी रामभद्राचार्य जी के बारे में कहा कि जब मैंने उनके वक्तव्य को सुना तो लगा कि सनातन धर्मावलंबियों के साथ सैकड़ों वर्षों से अन्याय हो रहा था। गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि संतों की साधना राष्ट्र कल्याण व लोकमंगल के लिए है। जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य जी द्वारा स्थापित भारत का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में है और वह उसके कुलाधिपति हैं। इस उम्र में वह आराम कर सकते थे, लेकिन राष्ट्रमंगल की कामना के साथ प्रभु की कथा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। देश-दुनिया में कोई भी भक्त बुलाता है तो प्रभु की कृपा को जन-जन तक पहुंचाते हैं। इसके पीछे उनका उद्देश्य है कि भगवान राम के विराट आदर्शों से भक्त थोड़ा भी अंश जीवन में अंगीकार कर लें तो उनका, समाज व देश का कल्याण हो सकता है।

भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स को बड़ी राहत, अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप सरकार की 1 लाख डॉलर की फीस योजना की रद्द

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीतियों को न्यायपालिका की तरफ से एक बहुत बड़ा झटका लगा है। मैसाचुसेट्स के बोस्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय ने नए H-1B वीजा आवेदनों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की सरकार की योजना को पूरी तरह से गैरकानूनी करार देते हुए खारिज कर दिया है।

अदालत ने अपने सख्त फैसले में साफ किया कि सरकार के पास कानूनन इतना बड़ा शुल्क लगाने का कोई अधिकार नहीं है। इस ऐतिहासिक फैसले से उन भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स और तकनीकी विशेषज्ञों को सीधा लाभ मिलेगा, जो अमेरिका में काम करने की इच्छा रखते हैं।

वीजा फीस विवाद और अमेरिकी कोर्ट का फैसला

ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल सितंबर में इमिग्रेशन नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए H-1B वीजा के शुल्क में अप्रत्याशित बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा था। सामान्य तौर पर एक नए H-1B आवेदन पर कुल सरकारी खर्च 2,000 डॉलर से 4,000 डॉलर के बीच आता है। इसके मुकाबले प्रस्तावित 1 लाख डॉलर का अतिरिक्त शुल्क मौजूदा फीस की तुलना में लगभग 25 से 50 गुना अधिक था। यदि यह नीति लागू हो जाती, तो भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों पर सालाना अरबों डॉलर का वित्तीय बोझ बढ़ जाता, जिससे अमेरिकी बाजार में उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता पर बहुत बुरा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी।

यह महत्वपूर्ण फैसला अमेरिका के 20 डेमोक्रेटिक राज्यों के अटॉर्नी जनरल द्वारा दायर किए गए एक संयुक्त मुकदमे के बाद आया है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत में तर्क दिया था कि ट्रंप प्रशासन के पास जॉब-बेस्ड इमिग्रेशन पॉलिसी को सख्त बनाने के नाम पर इस तरह का मनमाना शुल्क लगाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश लियो सोरोकिन ने सोमवार को इस दलील से पूरी तरह सहमति जताते हुए इस फीस योजना को तत्काल प्रभाव से अमान्य घोषित कर दिया।

पता ले जा रे गाड़ी वाला की तान के साथ याद किए गए जन कवि लक्ष्मन मस्तुरिहा

मस्तुरिहा के गीतों की उड़ी फुहार, सांगीतिक महफ़िल में गूंजा, बखरी के तुमानार

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के दुलरवा कवि और लोक सांस्कृतिक संस्था चंदैनी-गोंदा के मुख्य गायक रहे गीतकार लक्ष्मन मस्तुरिहा के जन्मदिन अवसर पर लोक कलाकारों व कवि साहित्यकारो द्वारा उन्हें शिद्दत से याद किया गया और कन्हारपुरी में कार्यक्रम आयोजित कर उनके सुमधुर गीतों के साथ उन्हें सांगीतिक कृतज्ञांजलि दी गई।

लोक सांस्कृतिक संस्था धरोहर के तत्वावधान व छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति की संयोजना में सुप्रसिद्ध लोक गायक महादेव हिरवानी के धरोहर कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में लक्ष्मन मस्तुरिहा द्वारा गाए एकसे बढ़ कर एक गीतों की फुहारें उड़ी वहीं मस्तुरिहा के सुप्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गीत ÷बखरी के तुमानार÷,, महादेव हिरवानी ल लोक गायिका शिवानी जंघेल के मधुर स्वरों में गुंजायमान हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ कवि/साहित्यकार एवं चंदैनी-गोंदा के बैंजो वादक रहे लोककला धर्मी आत्माराम कोशा अमात्य के हाथों मां सरस्वती पूजन सहित महादेव हिरवानी, गोविंद साव, पप्पू पौर्वात्य कलिहारी आदि कलाकारों के द्वारा जन कवि मस्तुरिहा के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री कोशा ने मस्तुरिहा को छत्तीसगढ़ की माटी का सच्चा सपूत बताते हुए उसे छत्तीसगढ़ी व छत्तीसगढ़ी लोक कला संस्कृति के जागरण के गायक और महानायक बताया।

लोक कलाकारों के गढ़ कन्हारपुरी में दुलरवा कवि लक्ष्मण मस्तुरिहा को उनके गीतो का प्रथम पुष्प महादेव हिरवानी के द्वारा मैं छत्तीसगढ़िया अंव रे गीत के साथ अर्पित किया गया वहीं सुप्रसिद्ध लोक गायिका शिवानी जंघेल ने अपने मधुरतम स्वरों में पता ले जा रे... गाड़ी वाला, का गान कर कार्यक्रम के नई उंचाई दी।

लाल किले में गूंजे थे मोर संग चलव रे.. का स्वर

छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने जन कवि लक्ष्मण मस्तुरिहा के छत्तीसगढ़ी लोक कला व संस्कृति संबंधी अवदान को स्तुतनीय बताया वहीं कवयित्री सुषमा शुक्ला अंशुमन ने दिल्ली के लाल किले से गूंजे मस्तुरिहा जी के मोर संग चलव रे... गान को प्रत्येक छत्तीसगढ़िया को आह्लादित कर देने वाला कहा। डोंगरगांव से पधारे कवि एवं कलाधर्मी गजेंद्र हरिहारणो ने मस्तुरिहा जी के साथ कवि सम्मेलन मंच साझा करने व उससे काफी कुछ सीखने कि बात कही। साकेत साहित्य परिषद- के ओम प्रकाश ने चंदैनी-गोंदा के कलाकारों का विरुदावली गान कर समां बांधा वहीं पवन यादव ने काव्य पुष्प अर्पित किया।

लोक सुर-संगीत की बही धारा

जनकवि लक्ष्मण मस्तुरिहा को उनके गीतों के साथ सांगीतिक कृतज्ञांजलि देने आयोजित इस सुरमयी कार्यक्रम में लोक गायक महादेव हिरवानी ने जहां मोर संग चलव रे, हम तोरे संगवारी कबीरा, जैसे गीतों से सुर-संगीत की गंगा बहाई वहीं लोक गायिका शिवानी जंघेल ने महादेव के साथ मोर खेती खार रुमझुम व दीया के बाती ह कहिथे... व मंगनी म मांगे मया जैसे करमा गीत व दुर्ग से पधारे गायक मनहरण साहू ने मोर राजा दुलरवा बेटा एवं स्वर धारा के विष्णु कश्यप ने निर्गुण भजन आनंद राम ने, कायाखंडी तथा जीवन लाल शेंडे ने चले पुरवइया सनन-सनन तो विरेंद्र तुरकने ने तोर सुरता में मन भंवरा..., बृजलाल साहू ने गोंदा फूलगे मोर राजा वाले मस्ती भरे गीत का गान कर माहौल को तरन्नुम मय बनाया। कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति धन-धन रे, मोर किसान के साथ दी गई। इस दौरान हारमोनियम पर संगत खुमान संगीत अकादमी के गोविंद साव ने की वही व्येंजो व आर्गन पर संगत पप्पू कलिहारी ने और तबले पर मोतीलाल साहू व ढोलक पर निर्मल देवदास ने अपना जौहर दिखलाया। कार्यक्रम का सुविज्ञ संचालन कवि /साहित्यकार आत्माराम कोशा अमात्य ने किया। इस दौरान कला/संगीत सुधि लल्लू सिंह ठाकुर, हास्य कलाकार संतोष यादव, नाचा कलाकार नत्थन दास, प्रेम लाल, चतुर सिंग, कवि थंगेश्वर कुमार साहू, लखन लाल साहू, विरेंद्र कुमार रंगारी, आनंदराम सार्वा, रौशन साहू, महावीर साहू, खोमेश साहू आदि सहित बड़ी संख्या में लोककला साहित्य संगीत प्रेमी जन उपस्थित थे। उपस्थितों का धन्यवाद ज्ञापन महादेव हिरवानी ने व आभार प्रदर्शन साहित्य समिति के थंगेश्वर साहू मीत ने द्वारा किया गया।

सुशासन तिहार : महिला किसान तिजकुंवर को मिली तत्काल ऋण पुस्तिका, खेती-किसानी की राह हुई आसान

राजनांदगांव (दावा)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत छुरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत गोपालपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने एक किसान परिवार की समस्या का समाधान हुआ। ग्राम भोलापुर निवासी श्रीमती तिजकुंवर को शिविर में उनकी भूमि का तत्काल ऋण पुस्तिका प्रदान की गई। श्रीमती तिजकुंवर के पति श्रीराम चरण ने बताया कि उनकी पत्नी के स्वामित्व की भूमि ग्राम मातेखेड़ा में स्थित है। खाता विभाजन होने के बाद भी उन्हें ऋण पुस्तिका प्राप्त नहीं हुई थी। ऋण पुस्तिका के अभाव में खाद, बीज एवं कृषि दवाइयों की खरीदी, कृषि ऋण प्राप्त करने तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। सुशासन तिहार के दौरान आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में उन्होंने अपनी समस्या से प्रशासन को अवगत कराते हुए ऋण पुस्तिका बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होते ही राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर त्वरित कार्रवाई की गई और शिविर में ही उन्हें ऋण पुस्तिका उपलब्ध करा दी गई। ऋण पुस्तिका प्राप्त होने के बाद अब श्रीमती तिजकुंवर को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी।

गायत्री विद्यापीठ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स कक्षाओं का शुभारंभ

राजनांदगांव (दावा)। आधुनिक शिक्षा एवं तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिले की प्रतिष्ठित संस्था गायत्री विद्यापीठ में शीघ्र ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स कक्षाओं का शुभारंभ किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को भविष्य की अत्याधुनिक तकनीकों से परिचित कराना तथा उन्हें वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

में संचालित होने वाली इन विशेष कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, कोडिंग, रोबोटिक्स, प्रोग्रामिंग तथा ऑटोमेशन जैसी आधुनिक तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मकता, नवाचार तथा समस्या समाधान क्षमता का विकास होगा। विद्यालय के प्राचार्य अंकित व्यास ने इस अवसर पर कहा, ''वर्तमान समय तकनीकी क्रांति का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स भविष्य की सबसे प्रभावशाली तकनीकों में शामिल हैं।

हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही इन आधुनिक विषयों का ज्ञान एवं प्रशिक्षण प्राप्त हो, जिससे वे आने वाले समय की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकें। यह पहल विद्यार्थियों में नवाचार,

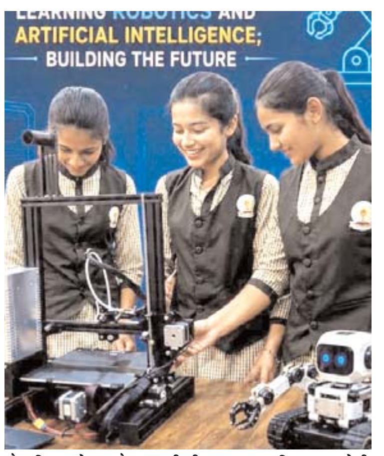

वैज्ञानिक सोच और तकनीकी दक्षता का विकास करेगी तथा उन्हें भविष्य के नेतृत्वकर्ता, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ बनने की दिशा में प्रेरित करेगी।''

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी संसाधनों एवं प्रायोगिक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान किया जाएगा। साथ ही, भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के साथ आधुनिक तकनीकी शिक्षा का समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

गायत्री विद्यापीठ सदैव गुणवत्तापूर्ण, संस्कारयुक्त एवं भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स कक्षाओं का शुभारंभइसी संकल्प की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो विद्यार्थियों को नई तकनीकी दुनिया में सफलता के नए आयाम स्थापित करने हेतु प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, उपाध्यक्ष राजेश जैन, सचिव श्री गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनोज चितलांग्या, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य अंकित व्यास, उपप्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

खुमान साव को कलाकारों ने किया याद, पुण्यतिथि पर ऑडोटोरियम परिसर में हुई श्रद्धांजलि सभा

राजनांदगांव (दावा)। मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ के तत्वाधान में आज लोक संगीत के चितेरे खुमान लाल साव की सातवीं पुण्यतिथि परम्परागत रूप से मनाई गई।

स्थानीय पदमश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडोटोरियम परिसर में स्थित श्री खुमान लाल साव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उपस्थित कलाकारों द्वारा पूजा अर्चना की गई तथा संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया गया । इस अवसर पर श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए संस्कृति कर्मी वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि श्री खुमान साव ने चंदैनी गोंदा के माध्यम से पांच दशक तक छत्तीसगढ़ी लोक संगीत को जन-जन तक पहुँचाने का अविस्मरणीय कार्य किया। श्री साव के बगैर छत्तीसगढ़ी लोक संगीत का इतिहास अधूरा रहेगा। इस अवसर पर लोक गायक महादेव हिरवानी ने श्री साव द्वारा संगीतबद्ध लक्ष्मण मस्तुरिया के प्रसिद्ध गीत मोर संग चलव रे का गायन किया। लोक गायक विष्णु कश्यप ने भी एक भावप्रवण भजन के साथ अपनी श्रद्धांजलि दी। शिक्षक और उद्घोषक हेमलाल साहू, यगेंश्वर कुमार साहू, रोशन साहू एवं कृष्ण कुमार सिंह ने भी भावांजलि दी। आभार प्रदर्शन चंदैनी गोंदा के संचालक दीपेश साव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मितान छत्तीसगढ़ी लोक कलाकार कल्याण संघ राजनांदगाँव के अध्यक्ष राजेश मारू, गीतकार हर्ष कुमार बिन्दु, मुन्ना बाबू, महेश्वर साहू, नरेन्द्र साहू, दीपक महोबिया, बैजनाथ सिन्हा, पप्पू कलिहारी, चन्द्रधर साहू, टुम्मनलाल धनकर, मुकेश निषाद, मुकेश जोशी और योगेश ठावरे सहित बड़ी संख्या में लोक कलाकार एवं संस्कृति कर्मी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना

चयन लिखित परीक्षा रविवार 5 जुलाई को आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जून तक

राजनांदगांव (दावा)। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु रविवार 5 जुलाई 2026 दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक परीक्षा केन्द्र एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पेण्ड्री राजनांदगांव में चयन लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते है। आवेदन पत्र अपने अध्ययनरत शाला में 20 जून 2026 तक जमा कर सकते है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत आयोजित चयन लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी को छत्तीसगढ़ राज्य का मूल निवासी होना चाहिए। विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य में मान्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग का होना चाहिए। जिसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण-पत्र धारक होना आवश्यक है। विद्यार्थी छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित किसी मान्यता प्राप्त संस्था में कक्षा पांचवीं में नियमित रूप से अध्ययनरत हो। कक्षा 4थी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। पिता या पालक की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक नहीं होना चाहिए। आय प्रमाण-पत्र एवं निर्धारित प्रपत्र में पालक का स्वघोषणा पत्र होना चाहिए। योजना अंतर्गत विद्यार्थियों का चयन पूर्णतः ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों से किया जायेगा, अर्थात ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों से कक्षा 4थी उत्तीर्ण करने वाले छात्र ही योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगे। नगर पालिका तथा नगर निगम क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी योजना का लाभ लेने हेतु पात्र नहीं होंगे।

नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी अपनाकर किसान घटाएं लागत, बढ़ाएं धान का उत्पादन

राजनांदगांव (दावा)। कृषि विभाग द्वारा किसानों को धान सहित विभिन्न फसलों में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नैनो उर्वरक आधुनिक कृषि तकनीक पर आधारित हैं, जिनके उपयोग से पोषक तत्वों की उपयोग दक्षता बढ़ती है। उत्पादन लागत कम होती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है। धान की फसल में नैनो डीएपी का पहला छिड़काव रोपाई के 25 से 30 दिन बाद तथा दूसरा छिड़काव आवश्यकता अनुसार 10 से 15 दिन बाद किया जा सकता है। नैनो यूरिया का पहला छिड़काव रोपाई के 30 से 35 दिन बाद तथा दूसरा छिड़काव बालियां निकलने के पूर्व 15 से 20 दिन के अंतराल पर किया जाना लाभकारी पाया गया है। प्रति एकड़ 250 मिलीलीटर नैनो डीएपी अथवा नैनो यूरिया को लगभग 125 लीटर पानी में घोलकर पत्तियों पर समान रूप से छिड़काव करने की अनुशंसा की जाती है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर की एक बोतल लगभग 45 किलोग्राम पारंपरिक यूरिया के बराबर प्रभाव प्रदान करती है।

सफल शैक्षणिक प्रयासों एवं नवाचारों को साझा कर पारस्परिक सीख को बढ़ावा देने पुणे में दर्पण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कलेक्टर ने जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार के लिए किए गए प्रयासों एवं नवाचारों के संबंध में दी जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। सफल शैक्षणिक प्रयासों एवं नवाचारों को साझा कर पारस्परिक सीख को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओपन लिंक फाउंडेशन द्वारा पुणे स्थित यशदा में दर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी से वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से दर्पण कार्यक्रम में जुड़े। कलेक्टर ने जिले में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में सुधार के लिए किए गए प्रयासों एवं नवाचारों के संबंध में बताया। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन के नियमित विश्लेषण, डेटा आधारित कार्ययोजना, शिक्षकों के क्षमता विकास, विद्यालयों के सतत अनुश्रवण, परीक्षा पूर्व विशेष शैक्षणिक सहयोग तथा कमजोर विद्यार्थियों के लिए लक्षित हस्तक्षेप जैसी पहल की जानकारी साझा की। उन्होंने इन प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले में बोर्ड परीक्षा परिणामों में सकारात्मक बदलावों को भी प्रस्तुत किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित रही।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव, गरियाबंद, बस्तर एवं जशपुर जिलों के प्रशासनिक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए अपनाई गई प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने राजनांदगांव जिले द्वारा प्रस्तुत मॉडल की सराहना करते हुए इसे अन्य जिलों के लिए भी उपयोगी बताया।

दर्पण कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न जिलों के मध्य ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान का एक प्रभावी मंच प्रदान किया। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणामों के लिए नवाचारों और सफल प्रथाओं को बढ़ावा मिलेगा। राजनांदगांव जिले का प्रतिनिधित्व जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रवास सिंह बघेल एवं सहायक परियोजना समन्वयक श्री मनोज मरकाम द्वारा किया गया।

अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ की आवश्यक बैठक कमरौद में

राजनांदगांव (दावा)। दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार निर्वाणी जिला प्रभारी निखिल वैष्णव, उपाध्यक्ष आकाश शर्मा एवं बालोद के जिला अध्यक्ष भोला दास वैष्णव के गरिमामय उपस्थिति के मध्य हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में महती बैठक संपन्न हुई। बैठक अध्यक्ष सर्वप्रथम दक्षिण मुखी हनुमान के समक्ष हनुमान जी की स्तुति करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसाद काठ वितरण किया गया।

अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के कार्यालय प्रमुख वैभव निर्वाणी अभिषेक चौबे एवं दुर्गा प्रसाद तिवारी नै संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि महा योद्धा वीर बंदा बैरागी का 310 वी शहीदी दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकुमार निर्वाणी ने बंदा वीर बैरागी के 310 वीं पुण्यतिथि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महायोद्धा वीर बंदा बैरागी जी का जन्म 27 अक्टूबर 1670 को ग्राम तक्षक किला जिला-पुंछ में हुआ था। बचपन का नाम लक्ष्मण भारद्वाज था। वैष्णवि दीक्षा उपरांत नाम माधव दास बैरागी में रखा गया। गुरु दीक्षा पश्चात् माधव दास नांदेड़ में आश्रम बनाकर हरिकृष्ण के ध्यान में रम गये, वहां पर 700 नांगा शिष्यों के साथ विशाल आश्रम में रहते वह कट्टर सनातनी संत थे। मुगलों के सिपाही माधव दास के आश्रम के करीब जाने से भी डरते थे। माधवदास की प्रसिद्धी पुरे भारत में फ़ैल गया था।

माधव की प्रसिद्धी से प्रभावित होकर गुरु गोविंद सिंह माधव दास से मिलने नांदेड़ आश्रम पहुंचे व निहंग साधु गद्दी छोड़ कर राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करने का आग्रह किया जिसे माधव दास ने सहर्ष स्वीकार किया और राष्ट्र की सेवा के लिए तत्काल संन्यासि का चोला छोड़ दिया तभी से गुरु गोविंद सिंह ने माधव दास का नाम बंदा वीर बैरागी रखा। बंदा वीर बैरागी ने अपने अदभूत पराक्रम खालसा पंथ की स्थापना की मुगल सेना बंदा वीर बैरागी के पराक्रम से भयभीत रहते थे। धोखा से अंतिम युद्ध में मुगल सेना बन्दा वीर बैरागी पकड़कर इस्लाम धर्म स्वीकार करने तरह तरह मनाने की कोशिश की नहीं मानने पर शरीर के हर अंग टुकड़े टुकड़े काटकर भयंकर त्रासदी देते महान राष्ट्र भक्त सेनायक बंदा वीर बैरागी को मुगल सेना मार डाला इतिहास में इस महान राष्ट्र भक्त सेनानायक को विलुप्त कर दिया है। यह बहुत ही दुख की बात है अखिल भारतीय पुजारी पुरोहित संघ इस महान राष्ट्र भक्त योद्धा नमन करते हुए श्रद्धाजंलि अर्पित करता है

मोहला विकासखंड में खेत बचाओ अभियान का आगाज, किसानों को दिए गए मृदा एवं जल संरक्षण के गुर

15 जून तक गांवों में चलेगा विशेष जागरूकता अभियान, रासायनिक खाद का उपयोग घटाने और हरी खाद अपनाने की सलाह ० आलकन्हार, मांडिंग-पिंडिंग और भुर्सा में जुटे सैकड़ों किसान, टिकाऊ खेती से घटेगी उत्पादन लागत

मोहला (दावा)। जिला प्रशासन के निर्देशन एवं उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में विकासखंड मोहला के ग्राम पंचायत आलकन्हार में खेत बचाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई तथा मृदा उर्वरता बनाए रखने हेतु नील हरित शैवाल एवं हरी खाद वाली फसलों जैसे सनई, ढैंचा एवं मूंग के उत्पादन एवं उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैविक खादों के अधिकतम उपयोग तथा कृषि भूमि की उत्पादकता बनाए रखने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषकों को बताया गया कि रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के साथ जैविक एवं प्राकृतिक स्त्रोतों का समावेश करने से मृदा की उर्वराशक्ति बनी रहती है तथा उत्पादन लागत में कमी आती है। कृषि विभाग द्वारा विकासखंड मोहला के ग्राम मांडिंग-पिंडिंग भुर्सा, रेंगाकठेरा एवं आलकन्हार में खेत बचाओ अभियान की शुरुआत की गई है। ग्राम पंचायत मांडिंग-पिंडिंग एवं भुर्सा में आयोजित अभियान के दौरान उपस्थित किसानों को रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम कर वैकल्पिक उपायों जैसे हरी खाद, ढैंचा, गोबर खाद, फसल अवशेष प्रबंधन, एकीकृत कीट प्रबंधन तथा एकीकृत उर्वरक प्रबंधन को अपनाने की सलाह दी गई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंच, कृषक एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार चयनित ग्रामों में यह अभियान 15 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत किसानों को मृदा एवं जल संरक्षण, समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार द्वारा किसानों को समन्वित कृषि प्रणाली अपनाने, कृषि भूमि के संरक्षण एवं संवर्धन तथा उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। खेत बचाओ अभियान के माध्यम से किसानों को पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ खेती की तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com